दैनिक कारखाने का सफर

मुकाबले के चक्कर में आदमी का जीवन एक कारखाने के समान हो गया है, आदमी का सबसे विश्वसनीय अखबार

वर्ष 6, अंक 343 | भोपाल, सोमवार 25 मई, 2026 | ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष, दशमी 2083 | मूल्य 2 रुपए

पाकिस्तान की नजर तुर्की के... पेज 5

अधिक मास का गुरु प्रदोष व्रत... पेज 7

निराला सृजन पीठ, साहित्य अकादमी, संस्कृति परिषद, मध्य प्रदेश द्वारा रवींद्र भवन में रविवार को व्याख्यान, रचना विमर्श एवं पुस्तक का लोकार्पण कार्यक्रम

"राष्ट्रीय अस्मिता के स्वर : डॉ देवेंद्र दीपक" विषय पर देश के विभिन्न भागों से आए विद्वान अतिथियों ने विचार विमर्श किए

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

निराला सृजन पीठ, साहित्य अकादमी, संस्कृति परिषद, मध्य प्रदेश द्वारा, गौरांजनी सभागार, रवींद्र भवन, भोपाल में रविवार को व्याख्यान, रचना विमर्श एवं पुस्तक लोकार्पण का कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से संपन्न किया गया। जिसमें "राष्ट्रीय अस्मिता के स्वर : डॉ देवेंद्र दीपक" विषय पर देश के विभिन्न भागों से आए विद्वान अतिथियों ने विचार विमर्श किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व संचालक जनसंपर्क लाजपत आहूजा ने की। मुख्य अतिथि अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय भोपाल के कुलगुरु प्रो. देवानंद हिंडोलिया, सारस्वत अतिथि डॉ. विकास दवे निदेशक मध्यप्रदेश साहित्य परिषद रहे। प्रमुख वक्तागणों में पटना से पधारे प्रो. अरुण भगत, मुंबई से पधारे प्रो. मृगेंद्र राय, काशी से पधारे डॉ. अशोक कुमार ज्योति, और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ के पूर्व कुलाधिपति डॉ. प्रकाश बरतूनिया रहे। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. देवेंद्र दीपक पर केंद्रित अभिनंदन ग्रन्थ "शब्द शब्द उन्मेष" एवं "सुषेण पर्व दृष्टि और मूल्यांकन" कारखाने का सफर के देवेन्द्र दीपक विशेषांक का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ साधना बलवटे ने कहा कि दीपक जी को पढ़ते हुए,सुनते हुए हम सदैव समृद्ध होते हैं।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में आहूजा ने कहा कि डॉ दीपक के कुछ अवसरों का मैं साक्षी रहा हूं। डॉ दीपक ने युवाओं के बीच अपनी "देह दान" का संकल्प व्यक्त किया, ताकि समाज तक सकारात्मक संदेश जाए।

मुख्य अतिथि प्रो. देवानंद हिंडोलिया ने कहा कि। डॉ देवेंद्र दीपक जैसे व्यक्तित्व का मार्गदर्शन समाज को आगे ले जाने वाला है। सारस्वत अतिथि डॉ. विकास दवे ने कहा कि जब आदि ऋषियों के बारे में पढ़ते हैं तब सोचने में आता है कि वे कैसे होते होंगे पर जब डॉ दीपक को देखते हैं तब लगता है कि वे डॉ दीपक की तरह ही होते हैं। डॉ दीपक एकात्म मानव दर्शन के मनीषी हैं। वे अंत्यज के लिए लड़ने वाले न्यायाधीश हैं। प्रमुख वक्ता प्रो. अरुण भगत ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ देवेंद्र दीपक की कविताओं में पूरी बीसवीं सदी बोलती है। डॉ दीपक का साहित्य अनेक उपयोगी सूक्तियों से भरा पड़ा है। आपातकाल के दौरान कष्ट भोगते हुए जिन लेखकों ने अपनी लेखनी की धार को बनाए रखा उनमें से डॉ देवेंद्र दीपक हैं। प्रो. मृगेंद्र राय ने अपने संबोधन में कहा कि मैं जब काव्य नाटकों पर काम कर रहा था तब मेरे हाथ डॉ देवेंद्र दीपक जी के काव्य नाटक की पुस्तक "भूगोल राजा का खगोल राजा का" हाथ लगी। मुझे यह सूचित करते हुए हर्ष है कि पूरे देश में सर्वाधिक काव्य नाटक डॉ देवेंद्र दीपक ने लिखे। "कांवर श्रवण कुमार की" मुंबई में टेक्स्ट बुक में कोर्स में पढ़ाया जा रहा है।

डॉ अशोक कुमार ज्योति ने कहा कि जीवन के झंझावातों में जब हम ऐसे व्यक्ति की उंगली थामने की तलाश में होते हैं जो झंझावातों से पार लगा दे ऐसे ही महान पुरुष डॉ देवेंद्र दीपक हैं। डॉ दीपक सदैव ज्ञान के दीपक बनकर प्रकाश बिखेरते रहते हैं। डॉ. प्रकाश बर्तूनिया ने कहा कि सामाजिक समरसता आचरण का विषय। डॉ दीपक के काव्य में, चिंतन में, सोच में और आचरण में वर्षों से सामाजिक समरसता प्रधान रही है। छिंदवाड़ा से आईं डॉ टिक मणि पटवारी ने कहा कि भारतीय सनातन कथाओं में नैतिक मूल्यों को प्रचारित किया जाता है, इन्हीं मूल्यों पर आधारित "कांवड़ श्रवण कुमार की" के माध्यम से डॉ दीपक ने इन जीवन मूल्यों की पुनर्स्थापना की है।

इस अवसर पर डॉ. देवेंद्र दीपक का शाल श्रीफल स्मृति चिन्ह द्वारा मंचासीन अतिथियों एवं सम्मान समिति के सदस्यों सर्वश्री प्रकाश बर्तुनिया, डॉ विकास दवे, डॉ साधना बलवटे अशोक निर्मल, गोकुल सोनी, , डॉ कुमकुम गुप्ता, डॉ बिनय राजाराम , राकेश सिंह, द्वारा सम्मान पत्र, शाल, श्रीफल से सम्मानित भी किया गया। सम्मान पत्र का वाचन वरिष्ठ साहित्यकार गोकुल सोनी ने किया।

अपने सम्मान के प्रत्युत्तर में डॉ देवेंद्र दीपक ने डॉ. अरुण भगत का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लेखकों को मेरी सलाह है कि वे लिखने के पहले सोचें कि वे क्या खुद रहे हैं या खाई। लेखक सूरज भले न बन सके सूरजमुखी तो बन सकते हैं। जो भारत के मूल उसकी चेतना से न जुड़ सके वह लेखक नहीं हो सकता।

नगर की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं यथा 1.मध्य प्रदेश लेखक संघ, 2.अखिल भारतीय साहित्य परिषद, 3.कला मंदिर, 4.मध्य प्रदेश हिन्दी लेखिका संघ, 4.दुष्यंत संग्रहालय,5.अभिनव कला परिषद, 6.तुलसी साहित्य अकादमी, 7.वरिष्ठ नागरिक संघ, 8.सकलपर्णा, 9.पटेल प्रवाह समिति, 10.भारतीय स्टेट बैंक साहित्य एवं कला परिषद, 11.भेल साहित्य परिषद, 12.श्रमश्री , 13.स्वयं सिद्धा, 14.नागरिक कल्याण समिति, 15.प्रखर सामाजिक साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था, 16. साहित्य एवं कला परिषद द्वारा डॉ. दीपक का सम्मान किया गया। साथ ही व्यक्तिगत रूप से भी अनेक साहित्यकार बंधुओं ने दीपक जी का सम्मान किया। कार्यक्रम का सरस एवं सफल संचालन धर्मेंद्र सोलंकी ने किया।

इबोला वायरसः भारत ने की कांगो-युगांडा के लिए जारी सख्त ट्रेवल एडवाइजरी

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

अफ्रीका में इबोला बीमारी के बढ़ते मामलों को देखते हुए भारत सरकार ने रविवार को एक अहम एडवाइजरी जारी की है। यह एडवाइजरी उन भारतीय नागरिकों के लिए है जो कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान में रह रहे हैं या वहां की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं। सरकार ने उन्हें स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी स्वास्थ्य नियमों का सख्ती से पालन करने और अतिरिक्त सावधानी बरतने को कहा है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपने परामर्श में साफ कहा है कि इन देशों में लगातार बिगड़ते हालात और विश्व स्वास्थ्य संगठन की सिफारिशों को देखते हुए सभी भारतीय नागरिकों को अगली सूचना तक कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान की गैर जरूरी यात्रा से बचना चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस गंभीर स्थिति को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है।

मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि भारत में अभी तक इबोला के 'बुंडिबुग्यो वायरस स्ट्रेन' का कोई भी मामला सामने नहीं आया है। अफ्रीका सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने कांगो और युगांडा में फैल रहे इस स्ट्रेन के प्रकोप को 'महाद्वीपीय सुरक्षा का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल' माना है। इसके अलावा कांगो और युगांडा की सीमाओं से सटे दक्षिण सूडान जैसे देशों को भी संक्रमण के सबसे ज्यादा खतरे वाले इलाकों में रखा गया है।

WHO की आपातकालीन समिति ने 22 मई को सीमाओं और प्रवेश बिंदुओं पर बीमारी की निगरानी को मजबूत करने के लिए जरूरी सिफारिशें जारी की हैं। इसका मुख्य उद्देश्य उन यात्रियों की जांच करना और उनका पता लगाना है, जो प्रभावित क्षेत्रों से आ रहे हैं और जिनमें बिना वजह तेज बुखार के लक्षण दिखाई दे रहे हैं

इबोला एक बेहद खतरनाक और जानलेवा बीमारी है। यह एक वायरल बुखार है जो शरीर के अंदरूनी अंगों से खून बहने का कारण बनता है। इबोला वायरस के बुंडिबुग्यो स्ट्रेन के संक्रमण से होने वाली इस बीमारी में मरीजों की मृत्यु दर काफी ज्यादा होती है। सबसे चिंता की बात यह है कि बुंडिबुग्यो स्ट्रेन को रोकने या इसके इलाज के लिए अभी तक कोई स्वीकृत वैक्सीन या विशेष दवा उपलब्ध नहीं है।

दिल्ली में एस जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भारत-अमेरिका संबंधों को रणनीतिक साझेदारी बताया

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

दिल्ली में भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और अमेरिका के बीच गहरे होते जा रहे रणनीतिक और वैश्विक संबंधों पर खुलकर बात की। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरुआत करते हुए कहा, "सेक्रेटरी रूबियो और मैंने आज सुबह अपनी द्विपक्षीय बातचीत की है। असल में, हम अभी बातचीत के बीच में हैं और इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद हम लंच पर बाकी की चर्चा पूरी करने के लिए वापस जाएंगे। सेक्रेटरी रूबियो की भारत की यह पहली यात्रा है, लेकिन पद संभालने के पहले ही दिन से हम लगातार एक-दूसरे के संपर्क में रहे हैं। पद संभालने के दिन उनसे मिलने वाले शुरुआती लोगों में मैं भी शामिल था। इसके बाद हमारे बीच वॉशिंगटन डीसी, न्यूयॉर्क और फ्रांस समेत कई अन्य मौकों पर लगातार बातचीत होती रही है। इस निरंतर संपर्क से हमें दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग पर करीब से नजर रखने में मदद मिली है।"

डॉ. जयशंकर ने बताया कि भारत और अमेरिका के बीच की राजनीतिक समझ एक मजबूत रणनीतिक साझेदारी पर टिकी है, जो कई क्षेत्रों में हमारे राष्ट्रीय हितों के मेल से बनी है। उन्होंने कहा, "कल जब सेक्रेटरी रूबियो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की, तो कुछ वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई थी। इसके बाद दूतावास में हुई हमारी बैठक में हमने पश्चिम एशिया, भारतीय उपमहाद्वीप और पूर्वी एशिया के घटनाक्रमों पर बात की। मैंने उनके साथ कैरिबियन की अपनी हाल की यात्रा के अनुभव भी साझा किए। आज लंच पर हमारी बातचीत का मुख्य विषय खाड़ी क्षेत्र के ताजा घटनाक्रम होंगे, क्योंकि वहां कुछ चीजें रातों-रात बदली हैं। इसके साथ ही हम यूक्रेन संकट पर भी चर्चा करेंगे।"

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भारत को दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण साझेदार बताते हुए कहा, "दुनिया में हमारे सबसे अहम रणनीतिक साझेदारों में से एक की इस यात्रा पर आपके साथ होना मेरे लिए गर्व की बात है। जाहिर है, हमारे कई देशों के साथ संबंध हैं और हम उनके साथ मिलकर काम करते हैं, ठीक वैसे ही जैसे भारत करता है। हमारे पास कई तरह के गठबंधन हैं, जहां हम कभी किसी खास मुद्दे पर तो कभी किसी क्षेत्र विशेष के लिए काम करते हैं। लेकिन, एक 'रणनीतिक साझेदारी' इन सब आम गठबंधनों से बिल्कुल अलग और बहुत बड़ी होती है। रणनीतिक साझेदारी का मतलब है, जब दो देशों के हित एक-दूसरे से पूरी तरह मेल खाते हों और वे समस्याओं को सुलझाने के लिए मिलकर रणनीतिक रूप से काम करते हों।" मार्को रूबियो ने भारत और अमेरिका के कामकाजी रिश्तों के दायरे की तारीफ करते हुए आगे कहा, "जिन मुद्दों पर हम भारत के साथ मिलकर काम करते हैं, उन मुद्दों की सूची, उनकी गहराई और उनका दायरा, यही इस बात को साबित करता है कि भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दुनिया भर में हमारे सबसे खास रणनीतिक साझेदारों में से एक है। इस रिश्ते की शुरुआत हमारे साझा मूल्यों से होती है। हम दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्र हैं। और यही वजह है कि हमारे हित अपने आप एक-दूसरे के अनुकूल हो जाते हैं, क्योंकि हमारे नेता सीधे तौर पर मतदाताओं और आम जनता के प्रति जवाबदेह होते हैं।"

क्वेटा में ट्रेन ब्लास्टः ईद की खुशियां मातम में बदलीं, 24 जवानों की मौत

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तान का बलूचिस्तान प्रांत रविवार सुबह एक भयानक बम धमाके से हिल गया। प्रांतीय राजधानी क्वेटा में 'क्वेटा-चमन फाटक' के पास यह आत्मघाती हमला हुआ। आतंकियों ने ईद की छुट्टियों के लिए अपने घर जा रहे सुरक्षाकर्मियों से भरी एक शटल ट्रेन को निशाना बनाया। इस दर्दनाक आतंकी हमले में कम से कम 24 लोगों की जान चली गई है, जबकि 50 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हैं। धमाका इतना जोरदार था कि इसकी आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी और स्पेशल ट्रेन की तीनों बोगियां पूरी तरह से बर्बाद हो गईं।

मिली जानकारी के मुताबिक, जिस ट्रेन पर हमला हुआ वह क्वेटा कैंटोनमेंट के अंदर बने रेलवे स्टेशन से यात्रियों को लेकर शहर की तरफ आ रही थी। यह स्टेशन एफसी हॉस्पिटल और सीएमए क्वेटा के बीच में है। नवंबर 2024 में क्वेटा के मुख्य रेलवे स्टेशन पर हुए बड़े हमले के बाद, सुरक्षा को देखते हुए पाकिस्तानी सेना और अर्धसैनिक बलों के जवानों को मुख्य स्टेशन के बजाय सीधे सैन्य छावनी के अंदर से ही ट्रेनों में बैठाया जा रहा था।

यह ट्रेन आने वाली बकरीद की छुट्टियों पर अपने घर लौट रहे पाकिस्तानी सैनिकों और उनके परिवारों को ले जा रही थी। शुरुआती जांच से पता चला है कि ट्रेन को एक पैरामिलिट्री कैंप के पास नई बोगियां जोड़ने के लिए रोका गया था, तभी रविवार सुबह करीब 8:00 बजे चमन फाटक के पास यह आत्मघाती धमाका हो गया।

इस बड़े हमले के तुरंत बाद बलूचिस्तान के प्रतिबंधित और कुख्यात अलगाववादी संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी ने इसकी जिम्मेदारी ले ली है। बीएलए के प्रवक्ता जीयांद बलूच ने मीडिया के लिए जारी एक बयान में कहा, "आज सुबह, बलूच लिबरेशन आर्मी की फिदायीन शाखा 'मजीद ब्रिगेड' ने क्वेटा कैंट से सेना के जवानों को ले जा रही एक ट्रेन को एक सोचे-समझे फिदायीन हमले में निशाना बनाया है। बीएलए इस ऑपरेशन की पूरी जिम्मेदारी लेता है।"

धमाके के बाद घटना वाली जगह पर भारी अफरा-तफरी मच गई। खबर मिलते ही पाकिस्तानी सुरक्षा बल और एम्बुलेंस की टीमें मौके पर पहुंचीं। शवों और गंभीर रूप से घायल लोगों को तुरंत क्वेटा के सिविल अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल प्रशासन ने इमरजेंसी लागू कर दी है और सभी डॉक्टरों को ड्यूटी पर तैनात रहने के निर्देश दिए हैं। डॉक्टरों के मुताबिक, घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए मरने वालों की संख्या अभी और बढ़ सकती है।

दैनिक कारखाने का सफर अखबार का संपादकीय कार्यालय

गोबिंद टॉवर, क्वालिटी रेस्टोरेंट के पास, एसबी स्टूडियों के ऊपर पिपलानी पेट्रोल पंप के पास, सोनागिरी चौराहा रायसेन रोड भेल भोपाल। मोबाइल नंबरः 9826035849, 9425006706

नौतपा से पहले तेज गर्मी, कई शहरों में तापमान 44 डिग्री के पार, सागर-भोपाल में भी बढ़ी तपिश

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

नौतपा से पहले मध्य प्रदेश में तेज गर्मी का असर देखा गया। रविवार को खजुराहो और नौगांव सबसे गर्म बने रहे। मौसम विभाग के अनुसार, नौगांव-खजुराहो में तापमान सबसे ज्यादा 45.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दतिया में 45 डिग्री, टीकमगढ़-शाजापुर में 44 डिग्री, टीकमगढ़-शाजापुर में 44.8 डिग्री, दमोह, सागर-सतना में 44.2 डिग्री, गुना, मुरैना, राजगढ़-श्योपुर में पारा 44 डिग्री सेल्सियस रहा।

वहीं, 5 बड़े शहरों की बात करें तो ग्वालियर में सबसे ज्यादा 44.1 डिग्री सेल्सियस रहा। भोपाल में 42.7 डिग्री, इंदौर में 40.9 डिग्री, उज्जैन में 41.5 डिग्री और जबलपुर में पारा 43.3 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले तीन दिन तक प्रदेशवासियों को तेज गर्मी और हीटवेव से राहत मिलने की संभावना नहीं है। देश के कई हिस्सों में तापमान 45C चल रहा है। इसमें अपच और एसिडिटी की समस्या हो सकती है। ध्यान न देने पर ये प्रॉब्लम बड़ी हो सकती है। आज 'जरूरत की खबर' में जानेंगे कि खानपान, लाइफस्टाइल में बदलाव और घरेलू उपायों से एसिडिटी से निजात पाई जा सकती है। पूरी खबर पढ़ें...

11 जिलों में तीव्र लू का ऑरेंज अलर्टः दतिया, निवाड़ी, सागर, दमोह, कटनी, मैहर, उमरिया, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली।

22 जिलों में लू का येलो अलर्टः ग्वालियर, भिंड, मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, विदिशा, रायसेन, नरसिंहपुर, जबलपुर, मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर, शहडोल, राजगढ़, शाजापुर, आगर-मालवा, उज्जैन, नीमच, मंदसौर और रतलाम।

18 जिलों में तेज गर्मीः भोपाल, इंदौर, झाबुआ, आलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, देवास, सीहोर, हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी और बालाघाट।

मौसम विभाग के अनुसार, 31 मई तक गर्मी का यह दौर अपने पीक पर रहेगा। विभाग ने अगले 4 दिन यानी 27 मई तक के लिए गर्मी का फोरकास्ट जारी किया है। इसमें कहा गया है कि चार दिन तक पूरे प्रदेश में भीषण गर्मी का दौर बना रहेगा, यानी लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिलेगी।

25 मई से नौतपा शुरू हो रहा है। इन 9 दिन में भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर-जबलपुर समेत पूरे प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ेगी। लू से बचने के लिए दोपहर में घर में ही रहें मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि दोपहर 12 से 3 बजे तक गर्मी का ज्यादा असर रहेगा। ऐसे में लोग जरूरी होने पर ही घरों से बाहर निकलें। दिनभर पर्याप्त पानी पीएं और शरीर को हाइड्रेट रखें। हलके रंग के सूती कपड़े पहनें। बच्चे और बुजुर्ग खासतौर पर ध्यान रखें।

बिना परमिट और बीमा के चल रही बसें जब्त, 17 बसों पर कार्रवाई

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल में यात्री सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने रविवार को विशेष अभियान चलाया। परिवहन आयुक्त के निर्देश पर भोपाल क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने बसों की सघन जांच की। इस दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आने पर मौके पर ही सख्त कार्रवाई की गई। जांच के दौरान बस क्रमांक MP 04PA 0848 बिना परमिट, फिटनेस और बीमा के संचालित पाई गई, जिसके चलते उसे तत्काल जब्त कर लिया गया। वहीं, बस क्रमांक MP 04PA 1150 पर परमिट की शर्तों के उल्लंघन का मामला सामने आने पर जब्ती की कार्रवाई की गई। भोपाल में यात्री सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने रविवार को विशेष अभियान चलाया।

भोपाल में यात्री सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने रविवार को विशेष अभियान चलाया।

वहीं बस MP 41P 0840 में सुरक्षा मानकों की अनदेखी पाई गई। बस में लगा फायर एक्सटिंग्विशर एक्सपायर था और आपातकालीन खिड़की भी अवरुद्ध मिली। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए अधिकारियों ने बस की फिटनेस तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी।

अभियान के दौरान कुल 17 बसों के खिलाफ मोटर यान अधिनियम 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की गई। इस दौरान 75 हजार रुपए का समन शुल्क और मोटर यान कर वसूला गया।

नई दिल्ली से आई टीम ने दोबारा पोस्टमॉर्टम किया, ट्विशा का मौत के 12 दिन बाद अंतिम संस्कार

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल में रिटायर्ड जज की बहू और एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की मौत के 12 दिन बाद रविवार को अंतिम संस्कार किया गया। भदभदा श्मशान घाट में एक्ट्रेस के भाई मेजर हर्षित ने ट्विशा को मुखाग्नि दी। इस दौरान ट्विशा की मां और परिवार रोते रहे। इससे पहले रविवार को ही दिल्ली AIIMS की टीम ने ट्विशा की डेडबॉडी का दोबारा पोस्टमॉर्टम किया। भोपाल AIIMS में करीब 3 घंटे चली प्रक्रिया के बाद टीम भोपाल से रवाना हो गई।

12 मई की रात भोपाल के कटारा हिल्स में ट्विशा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। ससुराल पक्ष इसे आत्महत्या बता रहा है, जबकि मायके पक्ष ने पति और ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। नई दिल्ली AIIMS के फॉरेंसिक मेडिसिन एवं टॉक्सिकोलॉजी विभाग के प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. सुधीर कुमार गुप्ता ने बताया कि ट्विशा की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने में अभी कुछ समय लगेगा। उन्होंने कहा कि कुछ प्रयोगशाला जांच जैसे हिस्टोपैथोलॉजी और विसरा का एनालिसिस किया जाना बाकी है। AIIMS दिल्ली के वरिष्ठ डॉक्टरों की टीम नमूने, फोटोग्राफ, वीडियो और लिखित निष्कर्षों के साथ सोमवार को लौटेगी। सुप्रीम कोर्ट ने ट्विशा शर्मा केस को स्वतः संज्ञान लिया है। सोमवार को चीफ जस्टिस की बेंच इस केस की सुनवाई करेगी। ट्विशा के पति समर्थ को शनिवार को भोपाल जिला कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट ने समर्थ की 7 दिन की पुलिस रिमांड मंजूर की है। साथ ही उसका पासपोर्ट जब्त करने के आदेश दिए हैं। भोपाल कोर्ट में सास गिरिबाला की जमानत निरस्त करने के लिए आवेदन दायर किया गया है। इस पर सोमवार को सुनवाई होगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मामले की जांच CBI से कराने पर सहमति दे दी है।

दिल्ली एम्स की टीम ट्विशा की सास गिरिबाला सिंह के घर पहुंची। उस समय वह अपने वकील एनोश जॉर्ज कारलो के साथ मौजूद थीं। हालांकि वे अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हुईं। भोपाल पुलिस की 7 दिन की रिमांड पर चल रहे समर्थ सिंह ने पूछताछ में कहा कि शादी के बाद दोनों के रिश्ते सामान्य थे। उसने बताया कि प्रेग्नेंसी की पुष्टि के बाद ट्विशा के व्यवहार में बदलाव आने लगा और वह अक्सर कहती थी कि ग्लैमर वर्ल्ड से जुड़ी होने के कारण घरेलू जीवन उसके लिए मुश्किल है। समर्थ के मुताबिक, इसी दौरान दोनों के बीच तनाव बढ़ा। समर्थ ने बताया कि 12 मई की शाम ट्विशा पार्लर से लौटने के बाद दोनों ने साथ वॉक की, खाना खाया और कुछ देर साथ समय बिताया। बाद में वह नीचे जाकर परिवार से बात करने लगी। कुछ देर बाद मां का फोन आया कि ट्विशा परेशान होकर रो रही है। इसके बाद परिवार ने उसे छत पर देखा, जहां वह फंदे पर लटकी मिली। समर्थ ने दावा किया कि उसे नीचे उतारकर सीपीआर दिया गया और अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हालांकि पुलिस का कहना है कि आरोपी खुद को बचाने के लिए भ्रामक जानकारी दे सकता है। घटना वाले दिन की परिस्थितियों और पूरे घटनाक्रम को लेकर उससे विस्तार से पूछताछ जारी है।

हेड कॉन्स्टेबल के बेटे ने 6 लोगों पर एक्सयूवी चढ़ाई, भोपाल में नशे में 10-12 किमी तक टक्कर मारता गया, लोगों ने पीट-पीटकर अधमरा किया

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल में शनिवार रात नशे में धुत युवकों ने तेज रफ्तार कार (एक्सयूवी) से पुलिसकर्मी, राहगीरों, ठेलों और कई वाहनों को टक्कर मारी। वे 10 से 12 किलोमीटर तक उत्पात मचाते रहे। घटना में 6 लोग घायल हुए हैं। तीन थाना क्षेत्रों की पुलिस ने कार का पीछा किया। करीब 10-12 किलोमीटर तक भागने के बाद आरोपियों को मीनाल क्षेत्र के पास घेर लिया गया। घटना के बाद आक्रोशित भीड़ ने आरोपियों की जमकर पिटाई कर दी। मौके पर काफी लोग जमा हो गए। स्थिति बेकाबू होने लगी थी। पुलिस ने दो आरोपियों को भीड़ से छुड़ाकर हिरासत में लिया, जबकि अन्य के फरार होने की बात कही जा रही है। मारपीट का वीडियो रविवार को सामने आया है।

रविवार को बजरिया थाना प्रभारी शिल्पा कौरव ने बताया कि अब तक 6 घायल सामने आ चुके हैं। इनमें से दो घायलों को पुलिस के पास लाया गया है, जबकि अन्य

अलग-अलग स्थानों पर इलाज करा रहे हैं। 4 से 5 लोगों के वाहनों को भी नुकसान पहुंचा है, जिनमें ठेले और साइकिल शामिल हैं।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनका रिमांड ले लिया है। जांच में सामने आया है कि सभी युवक एक दोस्त के जन्मदिन की पार्टी मनाकर लौट रहे थे। शुरुआत में कार मालिक आदित्य हरियाल गाड़ी चला रहा था, लेकिन बाद में स्टेशन के पास उसने गाड़ी सर्वा दुबे को दे दी। इसके बाद सर्वा दुबे ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए पूरे घटनाक्रम को अंजाम दिया। मामले में यह भी सामने आया है कि आदित्य हरियाल का पिता पुलिस विभाग में पदस्थ है। जानकारी के अनुसार, उसके पिता नरेंद्र हरियाल लोकायुक्त में प्रधान आरक्षक हैं। घटना के दौरान कार पर 'पुलिस' लिखा था, जिससे लोगों में भ्रम की स्थिति बनी। फिलहाल पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच में जुटी है। भोपाल में शनिवार रात एक बेकाबू कार ने शहर के कई इलाकों में दहशत फैला दी। नशे में धुत युवकों ने तेज रफ्तार कार से सड़क पर जो मिला, उसे टक्कर मारते हुए करीब 10 से 12 किलोमीटर तक उत्पात मचाया। घटना में कई लोगों के घायल होने की सूचना है।

गायत्री परिवार का व्यसन मुक्ति सप्ताह का शुभारंभ

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वावधान में व्यसन मुक्ति अभियान के अंतर्गत 24 मई 2026 से व्यसन मुक्ति सप्ताह का शुभारंभ इंडस टाउन चेतना केंद्र, भोपाल से किया गया। आगामी कार्यक्रम की जानकारी रमेश नागर जिला समन्वयक भोपाल ने बताया कि यह अभियान सप्ताह भर विभिन्न चेतना केंद्रों पर संचालित होगा, जिसमें प्रतिदिन जनजागरण, संपर्क अभियान, संकल्प सभाएँ,मानव श्रृंखला , चित्र कला, निबंध प्रतियोगिता , नुक्कड़ नाटक एवं व्यसन मुक्ति से संबंधित रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान का उद्देश्य समाज को नशामुक्त, स्वस्थ एवं संस्कारवान बनाना है। इस दौरान कार्यकर्ता घर-घर संपर्क कर लोगों को तंबाकू, शराब एवं अन्य नशों के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए व्यसन त्यागने हेतु प्रेरित करेंगे।
इस व्यसन मुक्ति सप्ताह का समापन 31 मई "विश्व तंबाकू निषेध दिवस" के अवसर पर कोलार चेतना केंद्र, मंदाकिनी क्षेत्र, भोपाल में आयोजित भव्य रैली एवं व्यसन मुक्ति मानव श्रृंखला के साथ होगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में परिजन, युवा, मातृशक्ति एवं नागरिकजन सहभागिता करेंगे तथा नशामुक्त समाज निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया जाएगा।

भोपाल से नोएडा- ग्रेटर नोएडा जाने वालों को सीधी उड़ान

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर एयरपोर्ट) के बीच 1 जुलाई से सीधी फ्लाइट सेवा शुरू होने जा रही है। इस नई उड़ान की शुरुआत IndiGo द्वारा की जा रही है, जिसकी बुकिंग भी शुरू हो चुकी है। शुरुआत में यह सेवा 78 सीटों वाले एटीआर-72 विमान से संचालित होगी। खास बात यह है कि यह फ्लाइट शाम के समय दोनों शहरों के बीच संचालित होगी, जिससे कामकाजी यात्रियों और व्यापारियों को काफी सहूलियत मिलेगी। नई फ्लाइट शुरू होने से भोपाल और दिल्ली-एनसीआर के बीच हवाई कनेक्टिविटी मजबूत होगी। अब तक जहां यात्रियों को दिल्ली या इंदौर होते हुए सफर करना पड़ता था, वहीं अब सीधे जेवर एयरपोर्ट पहुंचना आसान हो जाएगा।
इसका सबसे अधिक लाभ नोएडा, ग्रेटर नोएडा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश जाने वाले यात्रियों को मिलेगा। किराए की बात करें तो शुरुआती फेयर 4662 रुपए रखा गया है, जो इस दूरी के हिसाब से किफायती माना जा रहा है।

विशाल मौन जुलूस

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

दिनांक 25 मई 2026 दिन सोमवार को प्रातः 9:00 बजे रीवा मे आर्यिका संघ के साथ हुई सड़क दुर्घटना को लेकर जैन समाज द्वारा एक विशाल जन समूह के रूप मे *श्री दि.जैन धर्मशाला चोक भोपाल से एकत्रित होकर मोन जुलूस के रूप मे मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर मुख्यमंत्री जी को ज्ञापन देंगे। साथ ही शासन-प्रशासन से मांग करेंगे कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो तथा आहार-विहार निहार के दौरान संतों एवं आर्यिकाओं को पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए।

पुरुषोत्तम मास में दादाजी धाम मंदिर में श्री हनुमान चालीसा एवं श्री गुरु गीता का सामूहिक पाठ संपन्न

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

जागृत एवं दर्शनीय तीर्थ स्थल दादाजी धाम मंदिर, पटेल नगर, रायसेन रोड, भोपाल में पावन पुरुषोत्तम मास के शुभ अवसर पर रविवार को श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक वातावरण के मध्य श्री हनुमान चालीसा एवं श्री गुरु गीता के सामूहिक पाठ का आयोजन संपन्न हुआ। यह धार्मिक आयोजन श्री अंबिका आश्रम बालीपुर धाम के भोपाल स्थित भक्तों एवं दादाजी धाम के श्रद्धालु भक्तों के सहयोग से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम प्रातः 9:00 बजे से 10:15 बजे तक मंदिर परिसर में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर सामूहिक रूप से श्री हनुमान चालीसा एवं श्री गुरु गीता का पाठ किया। कार्यक्रम उपरांत भगवान को बेल के शरबत का भोग अर्पित कर उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद स्वरूप वितरित किया गया। शाम को महिला भक्तों द्वारा भजन कीर्तन की गए।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पुरुषोत्तम मास भगवान श्रीहरि विष्णु को समर्पित अत्यंत पुण्यदायी, कल्याणकारी एवं मोक्ष प्रदान करने वाला मास माना गया है। इस पवित्र काल में भक्ति, जप, तप, सत्संग एवं धर्मकार्य का विशेष महत्व बताया गया है। श्री हनुमान चालीसा का श्रद्धापूर्वक पाठ करने से भय, संकट, नकारात्मकता एवं मानसिक अशांति का नाश होता है तथा साहस, आत्मबल, ऊर्जा, सकारात्मकता एवं प्रभु भक्ति की प्राप्ति होती है।

वहीं श्री गुरु गीता में गुरु तत्व की महिमा का अत्यंत दिव्य एवं आध्यात्मिक वर्णन प्राप्त होता है। शास्त्रों में गुरु को वह दिव्य शक्ति बताया गया है, जो जीव को अज्ञान रूपी अंधकार से निकालकर ज्ञान, सत्य, सद्मार्ग एवं आत्मबोध की ओर अग्रसर करती है। गुरु कृपा से जीवन में शांति, सद्बुद्धि, संयम, आध्यात्मिक उन्नति एवं आत्मिक प्रकाश का संचार होता है। मंदिर समिति एवं आयोजन से जुड़े भक्तों ने समस्त श्रद्धालुओं से आगामी माह के चौथे रविवार को अधिक से अधिक संख्या में अपने परिवार सहित उपस्थित होकर सामूहिक पाठ, सत्संग, गुरु भक्ति एवं धर्म लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया तथा भक्ति एवं साधना के माध्यम से जीवन को सार्थक बनाने का संदेश दिया।

गतांक से आगे : लोक कल्याण हेतु दादाजी का अवतरण

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

वर्ष 1995 की यह उल्लेखनीय घटना है। उस समय पचमढ़ी में कांग्रेस पार्टी की कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई थी। उसी दौरान प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता सुनील दत्त को किसी श्रद्धालु ने बताया कि भोपाल के शिवाजी नगर, 6 नंबर क्षेत्र में विराजमान परम श्रद्धेय दादाजी गुरुदेव साईंखेड़ा वाले दिव्य कृपा एवं आध्यात्मिक शक्ति के धनी संत हैं। यह सुनकर वे दादाजी के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु भोपाल पहुँचे। उस समय उनके पुत्र संजय दत्त एक अत्यंत कठिन कानूनी परिस्थिति से गुजर रहे थे तथा जमानत प्राप्त नहीं हो पा रही थी। मन अत्यंत व्यथित था और हर प्रयास निष्फल प्रतीत हो रहा था। जब सुनील दत्त ने दादाजी गुरुदेव के समक्ष अपनी पीड़ा व्यक्त की, तब दादाजी ने अत्यंत शांत स्वर में कहा अभी समय अनुकूल नहीं है। जिस सप्ताह पेशी हो, उसके पूर्व आने वाले सोमवार को हमारे पास आना। दादाजी के वचनों में अटूट विश्वास रखते हुए उन्होंने वैसा ही किया। बुधवार को न्यायालय में पेशी निर्धारित थी, इसलिए उससे पहले सोमवार के दिन वे पुनः दादाजी के दरबार में उपस्थित हुए।

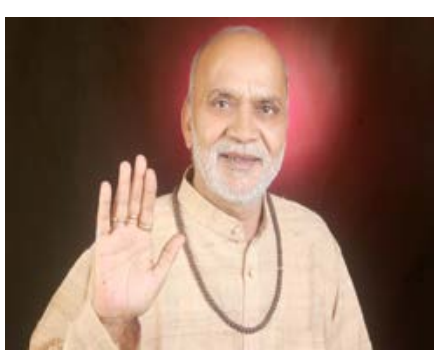

उनके आगमन की सूचना कुछ लोगों तक पहुँच चुकी थी, इसलिए भीड़ एकत्र होने की संभावना थी। दादाजी ने पूर्व में ही ज्वाला प्रसाद नामदेव जी को संकेत दे दिया था कि सामान्य लोगों को शाम 4 बजे का समय बताया गया था, किंतु सुनील दत्त विनम्रता एवं श्रद्धा भाव के साथ दोपहर लगभग 3 बजे ही दादाजी के निवास पर पहुँच गए।
दादाजी ने उन्हें पहले हाथ पैर धोकर पवित्र भाव से दरबार में प्रवेश करने को कहा। इसके पश्चात वे दादाजी दरबार में पहुँचे, जहाँ बड़े दादाजी भगवान भृंगी ऋषि के श्रीचरणों में निवेदन किया गया। दादाजी ने श्रद्धापूर्वक दो अगरबत्तियाँ अर्पित कर दिव्य प्रार्थना की तथा आशीर्वाद देते हुए कहा आप निश्चिंत होकर जाइए, आपका कार्य पूर्ण होगा। दादाजी के श्रीमुख से निकले ये शब्द केवल सांत्वना नहीं, बल्कि दिव्य संकल्प थे। जैसे ही न्यायालय में पेशी हुई, उसी दिन संजय दत्त को जमानत प्राप्त हो गई। यह घटना वहाँ उपस्थित श्रद्धालुओं के लिए दादाजी की अलौकिक कृपा एवं दिव्य शक्ति का प्रत्यक्ष अनुभव बन गई। दादाजी सदैव समझाते थे कि ईश्वर एवं गुरु के प्रति श्रद्धा, विश्वास और पूर्ण समर्पण ही जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है। जब मन में संशय नहीं होता और प्रार्थना निष्कपट भाव से की जाती है, तब मार्ग स्वयं प्रशस्त होने लगते हैं। आध्यात्मिक शक्ति वहीं प्रकट होती है जहाँ आस्था, विनम्रता और धैर्य का संगम होता है। दादाजी की कृपा निराली थी। वे बार-बार कहते थे कि भगवान के दरबार में केवल शब्दों से नहीं, बल्कि सच्चे हृदय से प्रार्थना करनी चाहिए। जब श्रद्धा अटल हो जाती है, तब कठिन से कठिन कार्य भी सहज रूप से पूर्ण होने लगते हैं।

सरकार आखिर क्या चाहती बच्चों से!

सोचें, इस साल 18 साल की उम्र के आसपास के जिन बच्चों ने 12वीं की परीक्षा दी थी और साथ ही मेडिकल में दाखिले के लिए नीट की परीक्षा में भी शामिल हुए थे उनकी क्या मनोदशा होगी? यह कितना हृदयविदारक है कि तीन मई को परीक्षा देकर खुशी मना रहे बच्चे फिर से परीक्षा की तैयारी में हैं क्योंकि तीन मई वाली परीक्षा इस सरकार और इसकी एजेंसियों के निकम्मेपन की वजह से रद्द हो गई है। लेकिन मामला सिर्फ इतना नहीं है। उससे ज्यादा हृदयविदारक यह है कि 12वीं की परीक्षा देने वाले लाखों बच्चे एक नई व्यवस्था का शिकार हो गए हैं। वे अपनी कॉपी दोबारा जांच कराने के लिए भटक रहे हैं।

असल में इस बार सरकार ने और सीबीएसई ने ऑनस्क्रीन मार्किंग का सिस्टम शुरू किया। इसके तहत लाखों छात्रों की उत्तर पुस्तिका को स्कैन करके सिस्टम पर अपलोड किया गया और स्क्रीन पर उनकी जांच हुई। इतना ही नहीं जांच में इतनी सख्ती हुई कि बिना गलती के नंबर कटे। इसका नतीजा यह हुआ कि खूब मेधावी छात्र, जिसने इंजीनियरिंग में दाखिले की जेईई मेन्स की परीक्षा में 90 पर्सेंटाइल हासिल किया है वह 12वीं में 75 फीसदी अंत नहीं हासिल कर सका। सोचें, उसके दिल पर क्या बीत रही होगी? ध्यान रहे जेईई मेन्स के बाद जिन बच्चों को आईआईटी में दाखिला लेना होता है उन्हें जेईई एडवांस की परीक्षा देनी होती है और उसके लिए 12वीं में 75 फीसदी अंक जरूरी होता है। यह मानना मुश्किल है कि जेईई मेन्स में 90 पर्सेंटाइल लाने वाला बच्चा 12वीं में 75 फीसदी अंक न ला सके। लेकिन ऐसा लाखों बच्चों के साथ हुआ है। ऊपर से सरकार ने कॉपी दोबारा जांचने का सिस्टम इतना जटिल बना दिया है कि बच्चे तीन दिन से भटक रहे हैं। उसकी फीस जमा कराने का पोर्टल बार बार क्रैश हो रहा है। उनके पेपर अपलोड नहीं हो रहे हैं। इसके बावजूद दो दिन में पौने दो लाख छात्रों ने आवेदन किया। सोचें, ऐसे सारे बच्चों की उम्र 18 साल या उससे कम होगी। उनके मासूम मन पर इस समय क्या बीत रही होगी। इसका अंदाजा सरकार में बैठे लोगों को नहीं है। सब जॉम्बी बन गए हैं।

बंगाल, असम में नहीं है पूरा मंत्रिमंडल

दिल्ली की मीडिया में इस बात की कोई चर्चा नहीं है कि पश्चिम बंगाल और असम में मंत्रिमंडल का गठन कब होगा। सोचें, केरल में कांग्रेस को नेता चुनने में एक दो दिन ज्यादा समय लगा था। भाजपा ने जिस दिन असम में नेता चुना उसके दो दिन बाद कांग्रेस ने केरल में नेता चुन लिया। लेकिन देश का पूरा मीडिया यह बताने में लगा हुआ था कि कांग्रेस नेता नहीं चुन पा रही है। लेकिन जब नेता चुन लिया गया तो मुख्यमंत्री के साथ ही 21 सदस्यों के पूरे मंत्रिमंडल ने शपथ ली। शपथ से एक दिन पहले शाम में मनोनीत मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने सभी मंत्रियों के नाम का ऐलान कर दिया और सूची राज्यपाल को सौंप दी। वहां कुल 21 मंत्री बन सकते हैं और 21 मंत्रियों की शपथ हो गई। विभाग बंट गए हैं और सरकार ने काम शुरू कर दिया है। इसके उलट पश्चिम बंगाल में नौ मई को मुख्यमंत्री के तौर पर शुभेंदु अधिकारी की शपथ हुई थी। उनके साथ चार मंत्रियों ने भी शपथ ली थी। भाजपा ने ऐसी गोपनीयता बरती कि मंच पर शपथ शुरू होने तक किसी को पता नहीं था कि कौन कौन मंत्री बन रहा है। शपथ के समय ही गोपनीयता भंग हुई और मुख्यमंत्री के साथ पांच लोगों ने शपथ ली। उसके बाद 13 दिन बीत गए लेकिन बाकी मंत्रियों की शपथ नहीं हुई है। राज्य में कुल 44 मंत्री हो सकते हैं लेकिन मुख्यमंत्री सहित सिर्फ छह लोग काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री अकेले 42 विभाग संभाल रहे हैं। किसी को जल्दी नहीं है मंत्रिमंडल गठन की। दिल्ली से लेकर बंगाल तक कोई सवाल नहीं उठा रहा है। ऐसे ही असम में 13 मई को मुख्यमंत्री के रूप में हिमंत बिस्वा सरमा ने शपथ ली। उनके साथ कुल चार लोगों ने शपथ ली, जिसमें दो सहयोगी पार्टियों के नेता हैं। वहां भी नौ दिन हो गए हैं लेकिन मंत्रिमंडल का गठन नहीं हुआ है। असम में 18 मंत्री हो सकते हैं। लेकिन सरकार पांच लोगों से चल रही है। कोई सवाल नहीं उठाया जा रहा है। ऐसे ही बिहार में भी सम्राट चौधरी के नेतृत्व में सरकार बनी तो 22 दिन तक मुख्यमंत्री सहित सिर्फ तीन लोगों ने सरकार चलाई। उसके बाद मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ। उधर केरल के बाद तमिलनाडु में भी मंत्रिमंडल का गठन हो गया है। ऐसा लग रहा है, जैसे भाजपा एक नई परंपरा लेकर आ रही है। यह तो नहीं ही कहा जा सकता है कि किसी तरह के विवाद की संभावना से देरी हो रही है। भाजपा में अब विवाद, मतभेद, अंदरूनी खींचतान जैसी चीजें अब लगभग खत्म हो गई हैं।

प्रश्न-फुहार को रोकती मुंह-मोड़ू छतरी!

सोचे कि एक हेले और एक अभिजित का छोटा-सा कंकर भी हमारे संसार के समंदर में ऐसा अंधड़ पैदा कैसे कर देता है? इस के बीज कहीं तो हमारी ही शुष्क प्रणालीगत धरती में दफ़्न हैं। ज़रा-सी नमी मिलते ही वे फरफरा कर अंकुरित हो जाते हैं। नहीं क्या? भारत की सियासत आजकल बहुत ही दिलचस्प दौर से गुज़र रही है। दो अजीबोग़रीब, मगर आधारभूत, प्रसंगों ने दुनिया के सामाजिक-राजनीतिक-संप्रेषण विशेषज्ञों को झकझोर डाला है। एक प्रसंग की वजह से नार्वे की पत्रकार हेले लिंग रातोंरात वैश्विक समाचार जगत के आसमान पर छा गईं। दूसरे प्रसंग में अभिजित दीपके अपने पैरोडी डिजिटल राजनीतिक दल 'काकरोच जनता पार्टी' की स्थापना को ले कर अचानक चर्चित हो गए। हेले 28 बरस की हैं। अभिजित 30 बरस के हैं।

हेले ने नरेंद्र भाई मोदी की नॉर्वे यात्रा का विवरण देने के लिए राजधानी ओस्लो में बुलाए गए संवाददाता सम्मेलन के अंत में प्रधानमंत्री के उठते-उठते पूछ डाला कि वे दो-एक सवालों के जवाब भी लगे हाथ क्यों नहीं दे देते? जब प्रधानमंत्री उन की बात सुने बिना निकल गए तो हेले लिफ़्ट तक उन के पीछे दौडीं। बाद में भारतीय विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने हेले को सवाल पूछने का मौक़ा दिया और उन्हें अपनी हृदयवेधक भावभंगिमा के साथ तक़रीबन 16 मिनट लंबी एकालापी बौद्धिक ख़ुराक दे कर समझाया कि भारत के मूल्य, परंपराएं और उपलब्धियां क्या हैं? जॉर्ज ने इस सब की विस्तृत व्याख्या करते हुए अपना पूरा कलेजा ही निकाल कर बाहर रख दिया। मैं तो भारतीय विदेश सेवा में रहते हुए उन के भीतर मौजूद नाट्यशास्त्र की इस विलक्षण और स्तब्धकारी सिफ़त पर पूरी तरह न्यौछावर हो गया हूं।

हेले ने हमारे प्रधानमंत्री से सवाल पूछने की कोशिश क्या की, भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की समूची आराधक-मंडली हाथ धो कर उन के पीछे पड़ गई। बहुत से टीवी एंकर उन्हें 'नन्ही-मुन्नी' 'टिकटॉक-पत्रकार' बताने लगे। वे जिस अख़बार 'दक्सअविसन' के लिए काम करती हैं, उस के नॉर्वे की लेबर पार्टी का मुखपत्र होने का झूठ फैलाने लगे। हेले को विदेशी जासूस और चीन समर्थक घोषित करने लगे। एक क़दम आगे बढ़ कर कई अकादमिक छुटभैयो ने हेले की अंतःवस्त्रीय तसवीरें बेहद फूहड़ टिप्पणियों के साथ फटाफट अपनी सोशल मीडिया दीवारों पर टांग दीं। इन में संघ-कुनबे के चंगुल में चले गए सरकार-पोषित पत्रकारिता विश्वविद्यालयों के कुलपति रहे छद्म बुद्धिजीवी सब से आगे थे।

नतीजा यह हुआ कि जिस हेले के ट्विटर खाते में पिछले 12-13 साल से उन के अनुगामियों की तादाद सात सौ का आंकड़ा भी नहीं छू पाई थी, वह अब एक लाख का आंकड़ा पार कर रही है। इस विवाद के चलते हेले का फ़ेसबुक और इंस्टाग्राम खाता फ़िलवक़्त निलंबित है। दुनिया भर का, और ख़ासकर भारत का, मीडिया उन के धड़ाधड़ इंटरव्यू कर रहा है। उन्होंने दर्जनों इंटरव्यू दिए, लेकिन अपने बहुत शुरुआती इंटरव्यू में से एक उन्होंने जैसे ही पाकिस्तानी पत्रकार इफ़ात हसन रिज़वी को दिया, भारत में बहुत-से अखाड़ेबाज़ पूरे विमर्श की दिशा मोड़ने में जुट गए।

मैं भी मानता हूं कि अगर हेले ने ख़ुद को इफ़ात से बचा लिया होता तो उन के पत्रकारीय मुद्दे को भारत की धरती पर कुहासे में धकेलने की जो नाकाम कोशिश हुई, वह भी नहीं हुई होती। लेकिन वे अपने को ऐसा करने से क्यों बचातीं? जब आप भारतवासी न हों और नॉर्वेवासी या कहीं और के जन्मजात वासी हों तो आप को इस से क्या फ़र्क़ पड़ता है कि आप से इंटरव्यू करने वाला कहां का वासी है? इसलिए हेले के इस उपक्रम में अलग से कुछ तलाशना उन के साथ ज़्यादती है। तरह-तरह की तोहमतें मढ़ना उन से नाइंसाफ़ी होगी।मेरे मन में पिछले चार-पांच दिनों से हेले के सवाल के बारे में यह सवाल घुमड़ रहा है कि वे भारत के प्रधानमंत्री से दो-चार सवालों के जवाब देने का आग्रह करने के कारण इस तरह एक केंद्रीय विमर्श की नाभि कैसे बन गईं? इस विवाद का केंद्र हेले को बनना चाहिए था या नरेंद्र भाई मोदी को? इस प्रसंग का मौलिक बिंदु क्या है? हेले का सवाल उछालना या नरेंद्र भाई का गोता लगा जाना? जो हंगामा मचा हुआ है, वह हेले की प्रश्न-फुहार की वजह से है या भारत के प्रधानमंत्री की मुंह-मोड़ू छतरी के कारण?

सियासत के मुतखसिस बताएं, समाजशास्त्र के उस्ताद बताएं और संप्रेषण-विद्या के माहिर बताएं कि अगर सारा बवाल हेले की वजह से है तो क्या दुनिया इस निष्कर्ष पर पहुंच चुकी है कि नरेंद्र भाई चूंकि सवालों के जवाब नहीं देते हैं, इसलिए उन से कोई सवाल पूछा ही नहीं जाना चाहिए और चूंकि उन्होंने किसी के भी सवालों के, कहीं भी, जवाब न देने को अपना अधिकार मान लिया है, इसलिए सभी को उन के इस स्व-अर्जित निरंकुश अधिकार का सम्मान करना चाहिए? मगर अगर यह बखेड़ा सवालों की उपस्थिति से नहीं, जवाबों की अनुपस्थिति से, उपजा है तो क्या कोई ऐसा अनिवार्य नियम नहीं बनना चाहिए कि संसद में प्रतिपक्ष के और संसद के बाहर संवाददाताओं के प्रश्नों के उत्तर देना प्रधानमंत्री का संवैधानिक कर्तव्य माना जाए?

बहरहाल, अब आइए अभिजित दीपके और उन के 'कॉकरोच जनता दल' (सीजेपी) पर। वे औरंगाबाद के हैं। पुणे से पत्रकारिता की पढ़ाई की है। फिर बोस्टन विश्वविद्यालय से जनसंपर्क विज्ञान में स्नातकोत्तर की डिग्री ली है। भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत शर्मा द्वारा अदालती कार्यवाही के दौरान बेरोज़गारों का ले कर की गई एक कथित टिप्पणी से मची आहत-पगी सनसनी का है 'सीजेपी' की जन्मदाता। छह-सात दिन पहले अभिजित ने एक साधारण गूगल फार्म के ज़रिए 'सीजेपी' का सदस्यता अभियान शुरू किया और रातोंरात सदस्य संख्या एक लाख पार कर गई। ट्विटर खाते पर अनुगामियों की मूसलाधार होने लगी। बाद में यह खाता निलंबित हो गया। फ़ेसबुक और इंस्टाग्राम पर भी युवा तेज़ी से जुड़ने लगे। इंस्टाग्राम पर तो उन के फालोअर्स दो करोड़ का अंक स्पर्श कर रहे हैं। दुनिया भर के सोशल मीडिया पर्यवेक्षक समय-गति के इस अनुपात से अपने नाखून चबा रहे हैं।

अभिजित आजकल अमेरिका में हैं और उन्हें लग रहा है कि जैसे ही वे भारत लौटेंगे, उन्हें विमानतल से सीधे तिहाड़ भेज दिया जाएगा। भेज दिया जाए, न भेज दिया जाए, मेरे दिमाग़ में यह प्रश्न मंडरा रहा है कि 'सीजेपी' कोई आधिकारिक या पंजीकृत राजनीतिक दल तो है नहीं, फिर ऐसा क्यों हो रहा है कि एक 'व्यंग्यात्मक डिजिटल आंदोलन' को बैठे-ठाले इतना समर्थन मिल रहा है? हमारी राजनीतिक-सामाजिक-संप्रेषणीय विधाओं के शास्त्रीय अध्येता ही शायद हमें बता पाएं कि क्या यह वर्तमान सियासी और मुआशरेती व्यवस्था से घनघोर हताशा का बेहद ठोस संकेत है? या इस के पीछे भी जार्ज सोरोसीय कारण हैं? आंखें बंद कर अपना सिर रेत के भीतर घुसा कर पड़े रहना ही क्या आख़िर किसी समस्या का समाधान हो सकता है? सवाल टालना तो बहुत आसान है। लेकिन सवाल क्या कभी मरते हैं? वे आप के हथियारों की ज़द में आ कर लाख ज़ख़्मी हो जाएं, मगर मरते नहीं हैं। लहूलुहान हो कर आप की ही दहलीज़ पर पड़े रहते हैं।

हेले जितनी मासूम दिखती हैं, शायद न हों। अभिजित ने तो अरविंद केजरीवाल के लिए तीन साल सक्रिय-कर्मकांड किया है, इसलिए उन्हें तो अगर आप हर तरह के संदेह के दायरे में रखना चाहते हैं तो मुझे कोई उज्र हो ही नहीं सकता। मगर कोई तो यह सोचे कि एक हेले और एक अभिजित का छोटा-सा कंकर भी हमारे संसार के समंदर में ऐसा अंधड़ पैदा कैसे कर देता है? इस के बीज कहीं तो हमारी ही शुष्क प्रणालीगत धरती में दफ़्न हैं। ज़रा-सी नमी मिलते ही वे फरफरा कर अंकुरित हो जाते हैं। नहीं क्या?

-पंकज शर्मा

किसकी डिग्री असली और कौन परजीवी नहीं!

यह बड़ा सवाल है क्योंकि चीफ जस्टिस ने अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने फर्जी डिग्री वाले लोगों को कॉकरोच और परजीवी कहा था। ऐसे लोगों को जिनके पास डिग्री नहीं है या फर्जी है और वकील या एक्टिविस्ट बन कर सरकार व सिस्टम पर सवाल उठा रहे हैं। तभी सवाल है कि भारत में किसकी या कितने लोगों की डिग्री असली है और उसी से जुड़ा सवाल यह कि कौन परजीवी नहीं है? भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है और सही से जांच हो जाए तो सबसे ज्यादा फर्जी डिग्री वाला देश भी भारत ही होगा। यहां कॉलेज और तकनीकी संस्थान डिग्री देने के लिए खोले जाते हैं। उच्च शिक्षा के जितने संस्थान पढ़ाई कराने के लिए हैं उससे ज्यादा संस्थान डिग्री देने के लिए बने हैं। हर व्यक्ति गले में एक डिग्री लटका कर घूम रहा है। भारत संभवतः एकमात्र देश है, जहां खुलेआम विज्ञापन दिया जाता है कि 30 हजार या 40 हजार रुपए दें और डिग्री प्राप्त करें। भारत एकमात्र देश है, जहां विज्ञापन लिखा हुआ होता है कि सातवीं और आठवीं में फेल सीधे दसवीं पास करें या 10वीं में फेल सीधे 12वीं पास करें। भारत में कुकुरमुत्ते की तरह लॉ और शिक्षक

प्रशिक्षण यानी बीएड की डिग्री देने वाले कॉलेज खुले हैं। बिना एक भी दिन कॉलेज गए डिग्री हासिल की जा सकती है। उस डिग्री के दम पर शिक्षक भी बना जा सकता है और वकील भी। आए दिन इस किस्म के वीडियो वायरल होते हैं कि कक्षा में पढ़ा रहे शिक्षक को अपने विषय का बुनियादी ज्ञान नहीं होता है। कई राज्यों के शिक्षा बोर्ड के टॉपर को अपने विषय का ज्ञान नहीं था। पेपर लीक करा कर लोग मेडिकल की परीक्षा पास कर रहे हैं और चार साल तक एमबीबीएस की पढ़ाई के बाद जब पीजी कोर्स में दाखिले के लिए नीट पीजी की परीक्षा देते हैं तो उसमें माइनस 40 अंक मिल रहे हैं। सोचें, उस मेडिकल की डिग्री के बारे में, जिसे हासिल करने वाले डॉक्टर साहेब लोगों को उसी पढ़ाई की परीक्षा में माइनस में अंक मिल रहे हैं। दिव्यांगता और आर्थिक रूप से कमजोर होने के फर्जी सर्टिफिकेट से तो लोग देश की सबसे बड़ी परीक्षा में उतीर्ण होकर कलेक्टर, एसपी बन रहे हैं। सो, अगर जांच हो जाए तो यह पता लगाने में बड़ी समस्या हो जाएगी कि किसकी डिग्री असली है। ऐसा लगता है कि असली डिग्री वाले ज्यादातर लोग देश से बाहर ही चले जाते हैं। तभी पूरा देश फर्जी डिग्री वालों के हवाले हो गया है। इसी तरह यह सवाल भी है कि इस देश में परजीवी कौन नहीं है? वैसे यह क्रोनोलॉजी भी दिलचस्प है कि कुछ दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक कार्यक्रम में कहा कि कांग्रेस अब परजीवी पार्टी हो गई है। उसके बाद चीफ जस्टिस को भी इस शब्द का इस्तेमाल करने की जरुरत पड़ी। इसी से परजीवी विमर्श की शुरुआत हुई। हकीकत यह है कि इस देश में सब परजीवी हैं, पुरुषार्थी दीया लेकर खोजने से मिलेंगे। बुद्धि, ज्ञान, बल से पुरुषार्थी वो लोग हैं, जिन्होंने दुनिया को अपना बनाया है। अमेरिका, यूरोप के वैज्ञानिक, उद्यमी, शोधकर्ता असली पुरुषार्थी हैं। भारत में तो जो सबसे अमीर है वह भी जोंक की तरह इस देश के संसाधनों का इस्तेमाल करके और देश के लोगों का खून चूस कर क्रोनी खरबपति है। इसी तरह जाति, धर्म या पैसे के दम पर जनता को ठग कर, मूर्ख बना कर नेता बड़े हुए हैं। नौकरशाही का पूरा ढांचा ही परजीवी होने के सिद्धांत पर खड़ा है। चाहे देश के नेता हों, अधिकारी हों या उद्योगपति सब परजीवी दीमकों की तरह क्या इस देश को खोखला नहीं बनाते आ रहे हैं?

-हरिशंकर व्यास

`चांद मेरा दिल': प्रेम की बदलती भाषा!

'चांद मेरा दिल' कोई कालजयी प्रेमकथा नहीं है, लेकिन यह पूरी तरह खोखली भी नहीं है। यह सुंदर है, ईमानदार है, संवेदनशील है, और कई क्षणों में प्रभावशाली भी। यह चांद तक पहुंचने वाली फ़िल्म नहीं, लेकिन उसकी रोशनी में बैठकर कुछ देर अपने पुराने प्रेम, अपनी असुरक्षाओं और अपने अधूरे संवादों को याद करने वाली फ़िल्म अवश्य है। आज के सिने-सोहबत में ताज़ा तरीन फ़िल्म 'चांद मेरा दिल' की बात करते हैं। हिंदी सिनेमा में प्रेमकथाएं केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रही हैं; वे समय के सामाजिक और सांस्कृतिक मानस का दर्पण भी रही हैं। हर दौर ने प्रेम को अपनी भाषा, अपनी संवेदना और अपना सौंदर्यशास्त्र दिया है। कभी प्रेम त्याग था, कभी विद्रोह, कभी नियति, और अब वह संवाद, असुरक्षा, आत्म-संशय और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच झूलती हुई एक जटिल अनुभूति है। निर्देशक विवेक सोनी की नवीनतम फ़िल्म 'चांद मेरा दिल' इसी बदलते भावलोक को पकड़ने का प्रयास करती है। यह फ़िल्म सतह पर एक आकर्षक प्रेमकथा है, किंतु भीतर से यह उस पीढ़ी के मन की बेचैनी का दस्तावेज़ भी बनना चाहती है, जो प्रेम करती भी है और उससे भयभीत भी रहती है। फ़िल्म में अनन्या पांडे और लक्ष्य मुख्य भूमिकाओं में हैं। संगीत का दायित्व अजय-अतुल ने संभाला है, जबकि गीतों को शब्द दिए हैं अमिताभ भट्टाचार्य ने। छायांकन की ज़िम्मेदारी देबोजीत रे ने निभाई है। इन सभी रचनात्मक स्तंभों के संयुक्त प्रयास से फ़िल्म एक ऐसा भावलोक रचती है जो देखने में अत्यंत सुंदर है, सुनने में मधुर है, लेकिन भावनात्मक स्तर पर हर समय उतनी गहराई तक नहीं उतर पाती, जितनी उसकी महत्वाकांक्षा है। फ़िल्म की कथा दो युवाओं की है, जो प्रेम में पड़ते हैं, एक-दूसरे को अपने जीवन का अनिवार्य हिस्सा मानने लगते हैं, लेकिन धीरे-धीरे समझते हैं कि प्रेम केवल आकर्षण या साथ रहने की इच्छा का नाम नहीं है। उसमें व्यक्तित्वों का संघर्ष भी है, आकांक्षाओं की खींचतान भी है, और आत्मसम्मान का प्रश्न भी। यही फ़िल्म का सबसे दिलचस्प पक्ष है कि यह प्रेम को केवल गुलाबी भावुकता में नहीं, बल्कि जीवन की व्यावहारिक उलझनों में रखकर देखना चाहती है। विवेक सोनी का निर्देशन यह स्पष्ट करता है कि वे भावनाओं की महीन परतों को समझने वाले निर्देशक हैं। वे संवादों से

अधिक चेहरों, विरामों और मौन के माध्यम से भावनाएँ व्यक्त करने की कोशिश करते हैं। किंतु यही शैली कई बार फ़िल्म को अत्यधिक सजावटी भी बना देती है। कुछ दृश्य इतने सलीके से रचे गए हैं कि वे वास्तविक जीवन के क्षणों से अधिक एक सुविचारित चित्र की तरह प्रतीत होते हैं। प्रेम जब अत्यधिक सौंदर्यपूर्ण बना दिया जाता है, तो उसका दर्द कभी-कभी कम विश्वसनीय लगने लगता है। अनन्या पांडे इस फ़िल्म की बड़ी उपलब्धियों में से एक हैं। अब तक उन्हें लेकर यह धारणा रही है कि वे आकर्षक उपस्थिति तक सीमित कलाकार हैं, किंतु यहां वे उस धारणा को तोड़ती दिखाई देती हैं। उनके चेहरे पर भावनात्मक असुरक्षा, टूटन, उम्मीद और आत्मसम्मान की परछाइयां स्पष्ट दिखाई देती हैं। वे अत्यधिक नाटकीयता का सहारा नहीं लेतीं, बल्कि संयमित अभिनय के माध्यम से अपने पात्र को जीवंत बनाती हैं। कई दृश्यों में उनकी आंखें संवादों से अधिक प्रभावशाली हो जाती हैं। यह उनके अभिनय-जीवन का अब तक का सबसे परिपक्व कार्य कहा जा सकता है। लक्ष्य में एक पारंपरिक हिंदी फ़िल्मी नायक का आकर्षण है। उनमें बेचैनी है, आवेग है और प्रेम में खो जाने वाली वह ऊर्जा है जो दर्शकों को उनसे जोड़ती है। उनका अभिनय प्रभावशाली है, यद्यपि कुछ भावनात्मक दृश्यों में वे थोड़े अभ्यासरत प्रतीत होते हैं। फिर भी उनकी उपस्थिति प्रभावशाली है। उनके भीतर भविष्य के लोकप्रिय प्रेमनायक की स्पष्ट संभावनाएं दिखाई देती हैं। दोनों कलाकारों के बीच की पारस्परिक रसायन फ़िल्म की शक्ति है। उनके साझा दृश्य सहज लगते हैं। दर्शक उनके बीच आकर्षण और भावनात्मक निकटता को महसूस करता है। यही कारण है कि जब कथा भावनात्मक संघर्ष की ओर बढ़ती है, तो दर्शक उनकी यात्रा से जुड़ा रहता है। अजय-अतुल का नाम आते ही भव्य ध्वनि-संसार, ऊर्जस्वित वाद्य-संयोजन और भावनात्मक उत्कर्ष की स्मृति उभरती है। इस फ़िल्म में उन्होंने अपने स्थापित वैभव को नियंत्रित रूप में प्रस्तुत किया है। यहां उनका संगीत केवल प्रभाव उत्पन्न करने का उपकरण नहीं, बल्कि पात्रों के अंतर्मन का विस्तार है। कुछ धुनें सीधे हृदय तक पहुंचती हैं। पृष्ठभूमि संगीत कई दृश्यों को भावनात्मक गहराई देता है। हालांकि कुछ अवसरों पर संगीत दृश्य की अपेक्षा अधिक भावुकता उत्पन्न करने की कोशिश करता है, फिर भी समग्र रूप से उनका कार्य प्रशंसनीय है। विशेष उल्लेख अमिताभ भट्टाचार्य का होना चाहिए। आज हिंदी फ़िल्म-संगीत में वे उन विरले गीतकारों में हैं, जो प्रेम को केवल अलंकारिक शब्दों में नहीं, अनुभव की सच्चाई में व्यक्त करते हैं। उनके गीतों में भावुकता है, लेकिन कृत्रिमता नहीं। वे प्रेम को घोषणापत्र की तरह नहीं, आत्मालाप की तरह लिखते हैं। इस फ़िल्म में उनके शब्द, कथा को भावनात्मक विश्वसनीयता प्रदान करते हैं। जहाँ पटकथा कई बार सतही हो जाती है, वहाँ गीत पात्रों के भीतर उतरने का अवसर देते हैं। उनके लिखे गीत केवल श्रवण-सुख नहीं देते, बल्कि पात्रों के मनोविज्ञान को व्यक्त करते हैं। यही एक सशक्त गीतकार की पहचान है।देबोजीत रे का छायांकन अत्यंत आकर्षक है। प्रकाश और छाया का संतुलन, शहरी परिदृश्यों की चमक, निजी क्षणों की आत्मीयता, सब कुछ सावधानी से रचा गया है। फ़िल्म का दृश्य संसार इतना परिष्कृत है कि कभी-कभी वह वास्तविकता से अधिक स्वप्नलोक प्रतीत होता है। यह सुंदर है, लेकिन कुछ अवसरों पर भावनात्मक प्रामाणिकता को कम भी कर देता है। कथा में कई महत्त्वपूर्ण भावनात्मक प्रश्न उठते हैं। प्रेम और महत्वाकांक्षा का संघर्ष, व्यक्तिगत स्वतंत्रता की आवश्यकता, आत्मसम्मान की सीमाएँ, आधुनिक रिश्तों की अस्थिरता लेकिन इन विषयों पर गहराई से ठहरने के बजाय फ़िल्म कई बार परिचित नाटकीय मोड़ों का सहारा ले लेती है। समकालीन युवा प्रेम केवल मिलन और बिछड़न की कथा नहीं है। उसमें मानसिक थकान है, आत्म-विश्लेषण है, संवाद की जटिलता है, और संबंधों को लेकर अनिश्चितता है। फ़िल्म इन सबको छूती है, लेकिन हर बार गहराई तक नहीं जाती। कई दृश्य अत्यंत प्रभावशाली बनने की कोशिश करते हैं, पर भावनात्मक रूप से अर्जित नहीं लगते। दर्शक प्रभावित होता है, पर भीतर तक विचलित नहीं होता। और महान प्रेमकथाएँ केवल सुंदर नहीं होतीं; वे दर्शक को भीतर से बदलती हैं। फ़िल्म का पहला भाग अपेक्षाकृत अधिक जीवंत है। उसमें युवावस्था की सहजता, आकर्षण और ऊर्जा है। दूसरा भाग अधिक भावनात्मक और नाटकीय हो जाता है। यहीं गति असंतुलित हो जाती है। कथा कई बार रुकती हुई प्रतीत होती है। सांस्कृतिक दृष्टि से यह फ़िल्म दिलचस्प है। यह उस संक्रमणकाल की प्रेमकथा है, जहाँ पुरानी पीढ़ी की भावनात्मक निष्ठा और नई पीढ़ी की व्यक्तिगत स्वतंत्रता आमने-सामने खड़ी हैं। पुरानी फ़िल्मों में प्रेम अंतिम सत्य था; यहाँ प्रेम एक प्रश्न है। क्या प्रेम के लिए स्वयं को बदल देना चाहिए? क्या निकटता का अर्थ आत्म-विलय है? क्या महत्वाकांक्षा प्रेम की शत्रु है? क्या साथ रहने की इच्छा पर्याप्त है? फ़िल्म इन प्रश्नों के निश्चित उत्तर नहीं देती, लेकिन उन्हें उठाती अवश्य है। यही इसका महत्त्व है। निर्देशन, अभिनय, संगीत और गीत, इन सबके बावजूद फ़िल्म अपने संभावित शिखर तक नहीं पहुँचती, क्योंकि इसकी पटकथा भावनात्मक जटिलताओं को उतनी गंभीरता से नहीं साध पाती, जितनी आवश्यकता थी। फिर भी इसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता क्योंकि यह प्रेम का उपहास नहीं करती। यह रिश्तों को क्षणिक उपभोग की वस्तु नहीं मानती। यह अब भी मानती है कि प्रेम मनुष्य के जीवन में एक गहरी और परिवर्तनकारी अनुभूति हो सकता है। आज के समय में यह दृष्टि अपने आप में मूल्यवान है। 'चांद मेरा दिल' कोई कालजयी प्रेमकथा नहीं है, लेकिन यह पूरी तरह खोखली भी नहीं है। यह सुंदर है, ईमानदार है, संवेदनशील है, और कई क्षणों में प्रभावशाली भी। यह चांद तक पहुंचने वाली फ़िल्म नहीं, लेकिन उसकी रोशनी में बैठकर कुछ देर अपने पुराने प्रेम, अपनी असुरक्षाओं और अपने अधूरे संवादों को याद करने वाली फ़िल्म अवश्य है। नज़दीकी सिनेमाघरों में है। देख लीजियेगा।

-पंकज दुबे

पाकिस्तान की नजर तुर्की के किजिलेज्मा ड्रोन पर, भारत ले सकता है MQ-28 घोस्ट, बिना पायलट वाले विमान लड़ेंगे लड़ाई

एजेंसी इस्लामाबाद

भारत और पाकिस्तान में आने वाले समय में एक नई लड़ाई देखने को मिल सकती है। इसमें मुकाबला मानव रहित लड़ाकू हवाई वाहन यानी यूसीएवी के बीच होगा, जिन्हें लॉयल विंगमैन (सहयोगी लड़ाकू विमान) कहा जाता है। पाकिस्तानी फौज की नजर तुर्की के बायराकटार किजिलेल्मा यूसीएवी पर है। वहीं भारतीय सेना में बोइंग एमक्यू-28 घोस्ट बैट कोलैबोरेटिव कॉम्बैट एयरक्राफ्ट पर चर्चा है। ये दिखाता है कि दोनों देश एआई लड़ाकू ड्रोन और लॉयल विंगमैन सिस्टम को भविष्य की वायु शक्ति संरचना में निर्णायक उपकरण के तौर पर देख रहे हैं। डिफेंस सिक्योरिटी एशिया की रिपोर्ट के मुताबिक, रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि सैन्य ड्रोन तकनीक और स्वायत्त लड़ाकू विमान परिचालन सिद्धांत को बदल सकते हैं। सेंसर फ्यूजन और एआई-सक्षम मिशन अब ऐसे प्रभाव पैदा कर रहे हैं, जिनके लिए पहले बड़े-बड़े मानवयुक्त बेड़े की आवश्यकता होती थी। बायराकटार किजिलेल्मा और बोइंग एमक्यू-28 घोस्ट बैट से जुड़ी तीव्र गति से संकेत मिलता है कि दक्षिण एशिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) युद्ध प्रयोगों के लिए अगली प्रमुख परिचालन प्रयोगशाला के रूप में उभर सकता है। पाकिस्तानी एयरफोर्स के चीफ जहीर अहमद सिद्धू की हालिया तुर्की यात्रा इसी विषय पर केंद्रित रही है। बायराकटार किजिलेल्मा UCAV एक AI लड़ाकू ड्रोन की परिभाषा का विस्तार करता है। पहले की UCAV पीढ़ियों के विपरीत (जो मुख्य रूप से निगरानी मिशनों के लिए अनुकूलित थीं) बायराकटार किजिलेल्मा स्टील्थ ड्रोन तेजी से एक AI-सक्षम लड़ाकू मंच जैसा दिखता है। इसे विशेष रूप से विवादित हवाई क्षेत्र और मानव-मानवरहित अभियानों के लिए डिजाइन किया गया है। बायराकटार किजिलेल्मा की एआई कार्यक्षमता और एमयूएम-टी आर्किटेक्चर का संयोजन इस विमान को स्वायत्त लड़ाकू विमानों की श्रेणी में रखता है। पांच सौ समुद्री मील की अनुमानित कॉम्बैट रेडियस इसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अभियानों को समर्थन देने के लिए परिचालन पहुंच प्रदान करती है। इसकी रफ्तार मैक 0.9 की अधिकतम गति बायराकटार किजिलेल्मा को धीमी गति वाले यूएवी सिस्टम से अलग करती है, जिन्हें पारंपरिक रूप से सहनशक्ति-उन्मुख प्राथमिकताओं के आधार पर डिजाइन किया गया है। इसमें करीब 1,500 किलोग्राम की पेलोड क्षमता टोही, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और सटीक हमले जैसे अभियानों में लचीलापन देती है। भारतीय वायु सेना की बोइंग MQ-28 घोस्ट बैट पर चर्चा भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा परामर्शों के दौरान सामने आई, जिनका मुख्य फोकस भविष्य के सहयोगी लड़ाकू विमानों और ऑटोनॉमस लड़ाकू विमानों की तकनीकों पर था। यह विमान F-35 और F/A-18 फाइटर बेड़े जैसे प्लेटफॉर्म से इंटीग्रेशन को प्राथमिकता देता है, जो पश्चिमी इकोसिस्टम को दिखाता है। इस विमान के मॉड्यूलर आर्किटेक्चर से मिशन को तेजी से अनुकूलित करना संभव हो जाता है, जिसमें खुफिया जानकारी जुटाना, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और सेंसर-विशिष्ट आवश्यकता शामिल हैं। MQ-28 तुर्की की डिजाइन फिलॉसफी में जोर दी जाने वाली फाइटर-शैली की गतिशीलता विशेषताओं के बजाय सहनशक्ति और मिशन की निरंतरता पर जोर देता है। एक्सपर्ट का कहना है कि किजिलेल्मा बनाम MQ-28 घोस्ट बैट की प्रतिद्वंद्विता वैश्विक UCAV निर्यात बाजारों को आकार दे सकती है। यह खासतौर से दक्षिण एशिया में आगे बढ़ रही है। ये दोनों ऑटोनॉमस लड़ाकू विमान प्लेटफॉर्म, प्रतिस्पर्धी सैन्य-औद्योगिक इकोसिस्टम और भविष्य के निर्यात प्रभाव के प्रतीक बनते जा रहे हैं। एआई आधारित युद्धकला भविष्य की हिंद-प्रशांत सुरक्षा गणनाओं के केंद्र में आती जा रही है। इससे किजिलेल्मा बनाम बोइंग MQ-28 घोस्ट बैट की प्रतिद्वंद्विता इस दशक की सबसे महत्वपूर्ण स्वायत्त लड़ाकू विमान प्रतिस्पर्धाओं में से एक बन सकती है। यह दक्षिण एशिया में एआई युद्ध प्रतिस्पर्धा भविष्य के वायु शक्ति संतुलन को नया आकार दे सकती है।

`मुझे भारत पसंद, I Love पीएम मोदी', डोनाल्ड ट्रंप का सरप्राइज कॉल, अमेरिकी एंबेसी के दिल्ली इवेंट में अचानक जुड़े

एजेंसी नई दिल्ली

चीन की यात्रा में मुंह की खाने के बाद क्या डोनाल्ड ट्रंप फिर से भारत को मनाने की कोशिश में जुट गए हैं? ऐसा इसलिए कहा जा रहा है, क्योंकि अमेरिका ने पहले ही अपने विदेश मंत्री मार्को रूबियो को भारत के दौरे पर भेज रखा है और अब डोनाल्ड ट्रंप ने सप्राइज कॉल में पीएम मोदी और भारत की जमकर तारीफ की है। मुझे भारत से प्यार है। मैं बस सभी को 'हैलो' कहना चाहता हूं। I Love प्रधानमंत्री। पीएम मोदी महान हैं, वे मेरे दोस्त हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने आगे कहा कि भारत मुझ पर 100% भरोसा कर सकता है। अगर उन्हें कभी मदद की जरूरत हो, तो उन्हें पता है कि किसे फोन करना है। वे सीधे यहीं फोन करते हैं। हम अच्छा कर रहे हैं। हम रिकॉर्ड बना रहे हैं। हमारी अर्थव्यवस्था रिकॉर्ड स्तर पर है, स्टॉक मार्केट रिकॉर्ड स्तर पर है और भारत जो कुछ भी पाना चाहे, वह पा सकता है। मैं प्रधानमंत्री मोदी का बहुत बड़ा फैन हूं। मार्को सबसे महान हैं। US के इतिहा दरअसल, अमेरिका इस समय अपना 250वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। इस उपलक्ष्य में ही भारत में स्थित अमेरिकी दूतावास में भव्य समारोह का आयोजन किया गया है। इस इवेंट में ही डोनाल्ड ट्रंप सीधे अमेरिका से जुड़े थे।स में उन्हें सबसे महान विदेश मंत्री के तौर पर याद किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी को मेरा नमस्कार कहना और उन्हें बताना कि मैं उनका बहुत बड़ा फैन हूं। इस कार्यक्रम में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर भी शामिल हुए। उन्होंने इस दौरान कहा कि भारत और अमेरिका, आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से लड़ने में गहरी रुचि रखते हैं। आतंकवाद के प्रति 'शून्य सहनशीलता' के मामले में हमें हमेशा स्पष्ट रहना चाहिए, और यही कारण है कि हमारा आतंकवाद-रोधी सहयोग इतना महत्वपूर्ण है। विदेश मंत्री ने आगे कहा कि यह बात व्यापक रूप से स्वीकार की जाती है कि दुनिया अब एक संक्रमण काल से गुजर रही है। वास्तव में, यह स्थिति हमारे संबंधों को और भी अधिक मजबूत बनाती है। आपसी लाभ की भावना निश्चित रूप से हमारे सहयोग को आगे बढ़ाएगी। वैश्विक अर्थव्यवस्था को जोखिम-मुक्त बनाने और दुनिया को अधिक विकल्प प्रदान करने में दोनों देशों के साझा हित हैं। हमारे बीच कई समानताओं के कारण, हम अलग-अलग क्षेत्रों में प्रभावी रणनीतिक साझेदार बन जाते हैं।

`ओबामा जैसी गलती नहीं कर सकते', डोनाल्ड ट्रंप बोले- ईरान से डील की जल्दी नहीं, परमाणु मुद्दे पर अड़े

एजेंसी वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनको ईरान के साथ समझौता करने की कोई हड़बड़ी नहीं है। ट्रंप ने रविवार को कहा कि अमेरिका ने बराक ओबामा के कार्यकाल में ईरान के साथ एक बेहद घटिया डील की थी। ऐसा फिर से नहीं होना चाहिए। ऐसे में मैंने अमेरिकी वार्ताकारों से कहा है कि वह समझौते में जल्दबाजी ना करें। ट्रंप ने इससे पहले कहा था कि अमेरिका-ईरान के बीच समझौता आखिरी चरण में है। उनके ताजा पोस्ट को समझौते के फिलहाल टल जाने की तरह देखा जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार शाम को सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में लिखा कि हमारे देश की ओर से अब तक की गई सबसे खराब डील्स में से एक वह डील थी, जो बराक ओबामा प्रशासन के नौसिखिया लोगों ने ईरान से की थी। उनके सामने जो रखा गया, उन्होंने उस पर हस्ताक्षर करके उसे लागू कर दिया। ऐसा दोबारा ना हो, इस पर हमारी नजर है। डोनाल्ड ट्रंप ने आगे कहा कि बराक ओबामा के समय हुई डील ईरान के लिए परमाणु हथियार बनाने का रास्ता खोल दिया था। अब चीजें अलग हैं क्योंकि ट्रंप प्रशासन की ओर से ईरान के साथ जो बातचीत चल रही है वह अलग है। हम इस बात को लेकर पूरी तरह स्पष्ट हैं कि ईरान के पास परमाणु नहीं होना चाहिए। ईरान के साथ बातचीत पर डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वार्ता व्यवस्थित और रचनात्मक तरीके से आगे बढ़ रही है। मैंने अपने प्रतिनिधियों को कहा है कि वे डील को लेकर जल्दबाजी ना करें, क्योंकि समय हमारे पक्ष में है। हमने ये भी साफ कर दिया है कि डील पर दस्तखत होने तक होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी जारी रहेगी। ट्रंप का दावा जल्द खत्म होगी ईरान जंग, तेल की कीमतों पर भी कही बड़ी बात ईरान के साथ जब तक डील की पुष्टि नहीं हो जाती और उस पर हस्ताक्षर नहीं हो जाते, तब तक यह नाकेबंदी पूरी तरह से लागू रहेगी। मुझे लगता है कि दोनों पक्षों को अपना पूरा समय लेना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सब कुछ सही हो। डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी कहा है कि वह पश्चिम एशिया के सभी देशों को उनके समर्थन और सहयोग के लिए धन्यवाद देंगे। उन्होंने कहा, 'ऐतिहासिक अब्राहम समझौते में शामिल देशों के साथ जुड़ने से यह समर्थन और सहयोग ज्यादा मजबूत होगा। हो सकता है कि ईरान भी कभी इस समझौते में शामिल होना चाहे।' ट्रंप की ओर से लगातार आ रहे बयानों के बीच ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने कहा है कि उनका देश परमाणु हथियार हासिल करने की कोशिश नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा था कि आयतुल्लाह खामेनेई ने परमाणु हथियार नहीं बनाने की बात कही थी। हम भी दुनिया को इस पर भरोसा दिलाने के लिए तैयार हैं। ईरान की सरकारी मीडिया ने बताया है कि उनकी सरकार ने अपना रुख मध्यस्थ पाकिस्तान को बता दिया है। तेहरान ने साफ किया है कि ईरानी वार्ताकार देश की गरिमा और सम्मान पर कोई समझौता नहीं करेंगे। ईरानी मीडिया ने बताया है कि अभी तक जिन मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई है। उसमें ईरान की फ्रीज की गई संपत्तियों और तेल पर लगे प्रतिबंधों से जुड़े मामले प्रमुख हैं।

दुनिया से खत्म होगा तेल-गैस का संकट, ईरान ने किया होर्मुज खोलने का इशारा, कितने दिन में पहले की तरह गुजरेंगे जहाज

एजेंसी तेहरान

ईरान में युद्ध के चलते दुनियाभर में छाया उर्जा संकट खत्म हो सकता है। अमेरिका-ईरान में शांति समझौता होने और होर्मुज स्ट्रेट के फिर से खुलने के संकेत मिल रहे हैं। ईरान ने रविवार को कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की संख्या 30 दिनों के भीतर युद्ध-पूर्व के स्तर पर लौट आएगी। यानी एक महीने में उसी तरह से इस समुद्री गलियारे से जहाज और तेल टैंकर गुजरने लगेंगे, जैसे 28 फरवरी से पहले गुजर रहे थे। ईरानी समाचार एजेंसी तस्नीम ने वरिष्ठ अधिकारियों के हवाले से बताया है कि होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही 28 फरवरी को संघर्ष शुरू होने से पहले के स्तर तक एक महीने में ठीक होने की उम्मीद है। 28 फरवरी को इजरायल-अमेरिका के ईरान पर हमलों के बाद होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही में भारी गिरावट आई है। ईरान ने हमलों के बाद इस समुद्री रूट से यातायात रोक दिया था। ईरान में युद्ध शुरू होने यानी 28 फरवरी से पहले हर दिन होर्मुज स्ट्रेट से 125 से 140 जहाज गुजरते थे। ईरान की रोक और अमेरिकी नेवी की ओर से ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी ने इस रूट को तकरीबन बंद कर दिया था। इससे दुनिया के बड़े हिस्से, खासतौर से भारत और उसके पड़ोसी देशों को खाड़ी देशों से आने वाला तेल और गैस नहीं मिल सका है और उनको उर्जा संकट का सामना करना पड़ा है। भारत दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने रविवार को संकेत दिया कि ईरान के साथ चल रही बातचीत में बड़ी सफलता मिल सकती है। उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य से अच्छी खबर आने की उम्मीद जताई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनका देश ईरान के साथ समझौता करने के बहुत करीब हैं, जिससे युद्ध खत्म होगा और होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से खुल जाएगा। अमेरिका और ईरान के बीच समझौता का ढांचा तैयार है। इस समझौते का मकसद दोनों देशों के बीच शत्रुता समाप्त करना और होर्मुज स्ट्रेट खोलना है। समझौते की फाइनल डिटेल तय की जा रही हैं। ईरान और अमेरिका के बीच 8 अप्रैल को अस्थायी सीजफायर हुआ था। इसके बाद से मध्यस्थ दोनों पक्षों में समझौते की कोशिश कर रहे हैं। पाकिस्तान दोनों देशों में मुख्य मध्यस्थ है। पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व और सरकार के मंत्रियों ने हालिया दिनों में लगातार ईरान की यात्राएं की हैं। इसके बाद उम्मीद की जा रही है कि जल्दी ही समझौते का ऐलान हो सकता है। पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर ने शनिवार को ईरान का दौरा किया है। इस दौरे के बाद पाकिस्तानी सेना ने कहा है कि समझौते पर अंतिम सहमति की दिशा में उत्साहजनक प्रगति हुई है। पाकिस्तानी सेना ने बताया कि असीम मुनीर ने तेहरान में वरिष्ठ ईरानी अधिकारियों के साथ उच्च-स्तरीय बैठकें की हैं। ईरानी मीडिया के मुताबिक, अमेरिका के साथ होने वाले संभावित समझौता ज्ञापन में सभी मोर्चों पर युद्ध की समाप्ति प्रमुख है। इसके तहत बातचीत के दौरान वाशिंगटन ईरान के तेल पर लगे प्रतिबंधों को हटा लेगा। ईरान ने अभी तक अपने परमाणु कार्यक्रम के संबंध में किसी कार्रवाई को स्वीकार नहीं किया है।

इजरायल ने बनाया `ड्रोन कवच', यहूदी देश के UAV को हमलों से बचाएगा स्टॉर्म शील्ड, ईरान युद्ध बना वजह

एजेंसी तेल अवीव

इजराल ने एक ऐसा सिस्टम बनाया है, जो ड्रोन को हमलों से बचाएगा। इस 'ड्रोन कवच' को स्टॉर्म शील्ड कहा गया है। इजरायली कंपनी रफाएल एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम्स ने स्टॉर्म शील्ड कॉम्पैक्ट इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर (ईडब्ल्यू) सूट पेश किया है। इसे मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) को उत्तरजीविता (सर्वाइवल) देने के लिए बनाया गया है, जो अब तक परंपरागत रूप से मानवयुक्त विमानों के लिए रही है। इससे ड्रोन को संघर्ष की स्थिति में हमले से एक कवच मिलेगा। इजरायली वेबसाइट यरुशलम पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि हेलसिंकी में आयोजित एओसी इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सम्मेलन में स्टॉर्म शील्ड को प्रदर्शित किा गया है। इस खास प्रणाली को एंटी-एक्सेस/एरिया-डेनायल (ए2/एडी) वातावरण में संचालित यूएवी (ड्रोन) की सुरक्षा के लिए डिजाइन किया गया है। इजरायली कंपनी ने बताया है कि हालिया वर्षों में ड्रोन सेंसर और स्वायत्तता के मामले में सक्षम हुए हैं। इसके बावजूद वे आधुनिक वायु रक्षा नेटवर्क के प्रति असुरक्षित बने हुए हैं। रडार सिस्टम, पैसिव डिटेक्शन एरे और इलेक्ट्रॉनिक काउंटर-मेजर उन्नत होने के साथ सक्रिय सुरक्षा के बिना ड्रोन ऐसे समय असुरक्षित हो गए हैं, जबकि उनसे परिचालन भार उठाने की अपेक्षा है। स्टॉर्म शील्ड एक हल्का और स्वायत्त विद्युत चेतावनी सूट है, जो लगातार विद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम की निगरानी करता रहता है। यह दुश्मन की एक्टिविटी का पता लगाकर प्रतिक्रिया करता है। इसकी संरचना 360 डिग्री कवरेज देती है। गतिशील आईएसआर या स्ट्राइक मिशन करने वाले ड्रोनों की सुरक्षा के लिए यह एक महत्वपूर्ण कारक है। इस ड्रोन कवच की प्रणाली AESA-आधारित ट्रांसमीटर पर काम करती है। इसे डिजिटल RF मेमोरी तकनीक से जोड़ा गया है। यही तकनीक राफेल की लाइट शील्ड, स्काई शील्ड और एक्स-गार्ड जैसी बड़ी हवाई और नौसैनिक EW प्रणालियों का आधार है। युद्ध के दौरान पहले से प्रमाणित इन क्षमताओं को मानवरहित प्लेटफार्मों के आकार और वजन की सीमाओं को पूरा करने के लिए छोटा किया गया है। यह प्रणाली पूरी तरह से प्रोग्राम करने योग्य है, जिससे मिशन-विशिष्ट सॉफ्टवेयर कॉन्फिगरेशन संभव हो पाते है। इसका मॉड्यूलर डिजाइन इसे विभिन्न प्रकार के UAV में एकीकृत करने में सक्षम बनाता है। इस सिस्टम की व्यापक फ्रीक्वेंसी कवरेज इसे रडार से जुड़े खतरों की एक विस्तृत श्रृंखला से निपटने में सक्षम बनाती है। इससे ड्रोन 'ह्यूमन-इन-द-लूप' सिस्टम की तुलना में तेजी से प्रतिक्रिया दे पाते हैं। इजरायल और अमेरिका ने 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ हमले शुरू किए थे। 39 दिन तक चली लड़ाई के दौरान कई अमेरिकी और इजरायली ड्रोन ईरानी प्रणालियों ने मार गिराए गए थे। लड़ाई में अमेरिका के 24 एमक्यू-9 रीपर ड्रोन गिरे। इस एक ड्रोन की कीमत 30 मिलियन डॉलर है।

भारत के चिनाब नदी पर 2 प्रोजेक्ट, सुरंगों से रुकेगा पानी का बहाव, एक्सपर्ट ने बताया पाकिस्तान पर असर

एजेंसी इस्लामाबाद

भारत ने बीते साल अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। भारत के फैसले से पाकिस्तान लगातार मुश्किल में दिखा है। सिंधु संधि के निलंबन के बीच भारत ने चिनाब नदी प्रणाली से जुड़ी दो इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं शुरू की हैं। भारत ने नदियों के पानी का ज्यादा बेहतर इस्तेमाल करने के लिए ये प्रोजेक्ट लॉन्च किए हैं, जो पाकिस्तान की मुश्किल और ज्यादा बढ़ा सकती है। एक्सपर्ट ने बताया है कि भारत के ये प्रोजेक्ट कितने अहम हैं और खासतौर से भारत पर इनका क्या असर होगा। भारत ने चिनाब नदी प्रणाली से जुड़े दो बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट पर काम शुरू किया है। इनमें एक हिमाचल प्रदेश में इंटर-बेसिन जल-मोड़ सुरंग से जुड़ा है। दूसरे प्रोजेक्ट के जरिए जम्मू कश्मीर में सलाल बांध पर गाद प्रबंधन की क्षमता को बहाल करना है। इन दोनों प्रोजेक्ट की लागत करीब 2,600 करोड़ रुपए है। दो प्रोजेक्ट में हिमाचल प्रदेश में 2,352 करोड़ रुपए की लागत वाला चिनाब-ब्यास लिंक टनल प्रोजेक्ट और जम्मू-कश्मीर के सलाल बांध में 268 करोड़ की लागत वाला सेडिमेंट-बायपास टनल प्रोजेक्ट शामिल है। यह भारत और पाकिस्तान दोनों के लिए अहम है। इन दो में से बड़ा प्रोजेक्ट लाहौल-स्पीति में 2,352 करोड़ रुपए का चेनाब-ब्यास लिंक टनल प्रोजेक्ट है। इस प्रस्ताव में 8.7 किलोमीटर लंबी एक सुरंग बनाई जाएगी ताकि चेनाब बेसिन से अतिरिक्त पानी को ब्यास नदी प्रणाली में मोड़ा जा सके। यह सुरंग एक बड़े इंटर-बेसिन नदी-जोड़ो पहल का हिस्सा होगी। प्रोजेक्ट का मकसद चेनाब की एक सहायक नदी चंद्रा से पानी को हाइड्रोलिक संरचनाओं और सुरंगों के जरिए ब्यास बेसिन की ओर भेजना है। इस प्रोजेक्ट में लाहौल घाटी में नदी पर 19 मीटर ऊंचा एक बैराज बनाने का प्रस्ताव भी है। यह प्रोजेक्ट क्षेत्र लाहौल-स्पीति के ऊंचे पहाड़ी इलाके में स्थित है।पानी मोड़ने की यह जगह कोस्कर गांव के पास और अटल सुरंग रोहतांग के उत्तरी प्रवेश द्वार से ऊपर की ओर है। अधिकारियों का कहना है कि यह प्रोजेक्ट सिर्फ पनबिजली या इंजीनियरिंग के बारे में नहीं है। यह पश्चिमी नदियों के पानी का भारत के लिए बेहतर इस्तेमाल करने के बारे में है। चिनाब से जुड़ा दूसरा प्रोजक्ट जम्मू-कश्मीर में सलाल हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट पर 268 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली एक डाइवर्जन-कम-सेडिमेंट बाईपास सुरंग है। सालाल प्रोजेक्ट का तकनीकी और रणनीतिक महत्व काफी ज्यादा है। सालाल जलाशय गाद की गंभीर समस्या से जूझ रहा है क्योंकि चिनाब नदी हिमालय से गाद लाती है। इंजीनियरों का कहना है कि इससे धीरे-धीरे जलाशय की भंडारण क्षमता कम हो गई है और टर्बाइन की कार्यक्षमता तथा जल प्रवाह प्रबंधन पर असर पड़ा है। इस नई सुरंग का मकसद प्रोजेक्ट की एक पुरानी समस्या को हल करना है। यह जरूरत पड़ने पर पानी को मोड़ने में मदद करेगी और बाईपास सिस्टम से जलाशय में जमा गाद को बाहर निकालेगी। भारत के सिंधु संधि समझौते को निलंबित करने के बाद से पाकिस्तान ने इस मुद्दे को बार-बार उठाया है। यहां तक कि इसे एक्ट ऑफ वॉर तक कहा है। एक्सपर्ट का कहना है कि भारत ने सिंधु संधि को बहाल करने के बजाय चिनाब पर दो प्रोजेक्ट शुरू किए हैं। इसमें पाकिस्तान के लिए एक कड़ा संदेश छिपा है। एक्सपर्ट का कहना है कि पाकिस्तान ने बार-बार चिनाब के प्रोजेक्ट पर अपना एतराज जताया है। दुनिया के कई मंचों पर पाकिस्तान इसे उठा चुका है लेकिन भारत ने कोई छूट ना देते हुए कड़ा रुख दिखाया है। इससे पाकिस्तान के उस झूठे नैरेटिव को सीधा झटका देता है, जो उसने हालिया महीनों में बनाने की कोशिश की है। ये नैरेटिव ऑपरेशन सिंदूर के वक्त भारत पर भारी पड़ने का है।

6 मैचों के बाद जहां हम थे, वहां से...' प्लेऑफ से बाहर होने के बाद भावुक हुए कोलकाता के कप्तान अजिंक्य रहाणे

एजेंसी कोलकाता

ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2026 के 70वें और अपने आखिरी लीग मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स को दिल्ली कैपिटल्स के हाथों 40 रनों से करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। इस हार के साथ ही केकेआर का इस सीजन का सफर आधिकारिक तौर पर समाप्त हो गया है। केकेआर ने इस सीजन को 13 अंकों के साथ सातवें पायदान पर फिनिश किया, जबकि जीत दर्ज करने वाली दिल्ली कैपिटल्स की टीम 14 अंकों के साथ छठे स्थान पर रही। मैच के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने अपनी शानदार बल्लेबाजी और टीम के पूरे सफर को लेकर एक बेहद भावुक और बेबाक बयान दिया। रहाणे ने टीम के क्वालीफाई न कर पाने पर निराशा तो जताई, लेकिन मुश्किल परिस्थितियों से वापसी करने के लिए अपने खिलाड़ियों की जमकर तारीफ भी की।

इस मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए केएल राहुल के शानदार 60 रनों की बदौलत 5 विकेट पर 203 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था। जवाब में केकेआर के लिए कप्तान अजिंक्य रहाणे ने अकेले किला लड़ाया और सर्वाधिक 63 रन बनाए। हालांकि, कुलदीप यादव और लुंगी एनगिडी की घातक गेंदबाजी के आगे केकेआर की पूरी टीम 18.4 ओवर में 163 रन पर ढेर हो गई। अपनी पारी और रणनीति को लेकर अजिंक्य रहाणे ने कहा, 'शुरुआत में विकेट बल्लेबाजी के लिए थोड़ा मुश्किल और पेचीदा था। मैं गेंद को बहुत अच्छी तरह से टाइम कर रहा था और मुझे पता था कि किसी एक बल्लेबाज को अंत तक टिकना होगा। इसलिए मैंने रिस्क लिया और अपने शॉट्स खेले। मेरा पूरा ध्यान स्ट्राइक रोटेशन पर भी था ताकि रन गति बनी रहे।'

सीजन के पहले हाफ में केकेआर का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा था और टीम लगातार मैच हार रही थी। वहां से दूसरे हाफ में टीम ने पासा पलटा और अंतिम दौर तक प्लेऑफ की उम्मीदों को जिंदा रखा। पूरी टीम के प्रदर्शन और जज्बे पर बात करते हुए कप्तान रहाणे ने कहा, 'अगर हम पूरे सीजन की बात करें, तो मुझे अपनी टीम के हर एक खिलाड़ी पर बेहद गर्व है। शुरुआती 6 मैचों के बाद हम जिस बेहद खराब स्थिति में थे, वहां से उठकर वापसी करना, लीग में अपनी उम्मीदों को आखिरी समय तक जिंदा रखना और इस तरह की क्रिकेट खेलना आसान नहीं था। इसके लिए मजबूत कैरेक्टर, बेहतरीन एटीट्यूड और लचीलेपन की जरूरत होती है। मुझे अपने हर एक खिलाड़ी पर गर्व है।'

वैभव, संजू से लेकर श्रेयस तक, IPL 2026 के 70 लीग मैचों में लगे 14 शतक, 13 खिलाड़ियों में 8 भारतीय शामिल

एजेंसी नई दिल्ली

आईपीएल 2026 के 70 लीग मैच खत्म हो चुके हैं और इन मैचों में ऐसे खिलाड़ियों की कोई कमी नहीं रही जिन्होंने अपनी-अपनी टीमों के लिए खूब रन बनाए साथ ही साथ शतक लगाने का भी कमाल किया। लीग स्टेज के 70 मैचों में इस सीजन में कुल 14 शतक लगे और इस दौरान 13 खिलाड़ियों ने ये उपलब्धि अपने नाम करने का गौरव हासिल किया। कमाल की बात ये रही कि शतक लगाने के मामले में भारतीय खिलाड़ी विदेशी खिलाड़ियों से आगे रहे।

लीग स्टेज में 8 भारतीय जबकि 5 विदेशी खिलाड़ियों ने जड़े शतक आईपीएल 2026 के लीग स्टेज में यानी 70 लीग मैचों में 13 खिलाड़ियों ने शतक लगाए जिसमें 8 भारतीय और 5 विदेशी खिलाड़ी शामिल रहे। 8 भारतीय खिलाड़ियों में संजू सैमसन, साई सुदर्शन, केएल राहुल, वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और तिलक वर्मा शामिल रहे जबकि जिन 5 विदेशी खिलाड़ियों ने शतक लगाए उसमें मिचेल मार्श, कूपर

कोनोली, रयान रिकेल्टन, फिन एलन और क्विंटन डिकॉक शामिल रहे। इस सीजन में संजू सैमसन ने इन खिलाड़ियों ने सबसे ज्यादा 2 शतक लगाए जबकि अन्य खिलाड़ियों ने एक-एक शतक जड़े।

केएल राहुल ने खेली सबसे बड़ी पारी आईपीएल के लीग स्टेज में अगर सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी खेलने की बात की जाए तो इसमें पहले स्थान पर दिल्ली के बैटर केएल राहुल रहे जिन्होंने 152 रन की पारी खेली। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैदराबाद के ओपनर अभिषेक शर्मा रहे जिन्होंने 135 रन की पारी खेली जबकि मुंबई के ओपनर रयान रिकेल्टन 123 रन की पारी खेलकर तीसरे नंबर पर रहे। चौथे स्थान पर 115 रन की पारी के साथ संजू सैमसन रहे जबकि क्विंटन डिकॉक ने 112 रन की पारी खेली और लिस्ट में 5वें नंबर पर रहे।

मेक्सिको में उद्घाटन मैच, अमेरिका-कनाडा शुरू करेंगे अभियान

एजेंसी नई दिल्ली

आखिरकार फुटबॉल विश्व कप 2026 के लिए सभी 48 टीमों की तस्वीर साफ हो गई है। क्वालीफाइंग प्लेऑफ मुकाबलों के खत्म होने के बाद अब दुनिया की सबसे बड़ी फुटबॉल प्रतियोगिता के पूरे समूह और कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है। गौरतलब है कि इस बार विश्व कप की मेजबानी अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको संयुक्त रूप से कर रहे हैं। यह पहली बार होगा जब विश्व कप में 48 टीमें हिस्सा लेंगी। इससे पहले तक टूर्नामेंट में 32 टीमें खेलती थीं। मौजूद जानकारी के अनुसार मेक्सिको 11 जून 2026 को मेक्सिको सिटी के एस्तादियो एज़्टेका स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उद्घाटन मुकाबला खेलेगा। मेजबान टीम मेक्सिको को समूह ए में रखा गया है, जहां उसके साथ दक्षिण कोरिया और चेकिया की टीमें भी मौजूद हैं। वहीं अमेरिका को समूह डी में जगह मिली है। अमेरिकी टीम 12 जून को कैलिफोर्निया के सोफी स्टेडियम में पराग्वे के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद अमेरिका का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और तुर्किये से होगा। कनाडा को समूह बी में रखा गया है। कनाडाई टीम अपना पहला मुकाबला बोस्निया और हर्जेगोविना के खिलाफ टोरंटो में खेलेगी। इसके अलावा समूह में कतर और स्विट्जरलैंड की टीमें भी शामिल हैं। बता दें कि मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना को समूह जे में रखा गया है। अर्जेंटीना के साथ अल्जीरिया, ऑस्ट्रिया और जॉर्डन की टीमें होंगी। वहीं ब्राजील को समूह सी में मोरक्को, हैती और स्कॉटलैंड के साथ रखा गया हैं। फ्रांस, इंग्लैंड, स्पेन, पुर्तगाल और जर्मनी जैसी यूरोप की बड़ी टीमें भी अपने-अपने समूहों में मजबूत दावेदार मानी जा रही हैं। स्पेन को केप वर्डे, सऊदी अरब और उरुग्वे के साथ समूह एच में रखा गया है, जबकि इंग्लैंड का मुकाबला क्रोएशिया, घाना और पनामा से होगा। गौरतलब है कि इस बार टूर्नामेंट का प्रारूप पूरी तरह बदल दिया गया हैं। अब 48 टीमों को 12 समूहों में बांटा गया है और हर समूह में चार टीमें होंगी। सभी टीमें समूह चरण में तीन-तीन मुकाबले खेलेंगी। समूह चरण के बाद कुल 32 टीमें अगले दौर में पहुंचेंगी। हर समूह की शीर्ष दो टीमें सीधे नॉकआउट चरण में जगह बनाएंगी, जबकि आठ सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमें भी अगले दौर में पहुंचेंगी। फीफा ने इस बार नॉकआउट प्रारूप में भी बदलाव किए हैं। टूर्नामेंट में ऐसी व्यवस्था बनाई गई है ताकि दुनिया की शीर्ष रैंकिंग वाली टीमें फाइनल से पहले आमने-सामने न आएं। उदाहरण के तौर पर स्पेन और अर्जेंटीना को अलग रास्तों में रखा गया है ताकि दोनों टीमें फाइनल से पहले एक-दूसरे से न भिड़ें। बता दें कि दक्षिण अमेरिका की टीमें जैसे ब्राजील और उरुग्वे एक ही समूह में नहीं रखी गई हैं। हालांकि यूरोपीय टीमों के लिए यह नियम लागू नहीं किया गया है।

विश्व कप 2026 का पहला नॉकआउट मुकाबला 28 जून से शुरू होगा। इसके बाद लगातार नॉकआउट मुकाबले खेले जाएंगे और दुनिया की सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल टीम का फैसला होगा।

फुटबॉल प्रशंसकों के लिए यह टूर्नामेंट खास माना जा रहा है क्योंकि इसमें पहली बार इतने बड़े स्तर पर मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। साथ ही अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको जैसे देशों में एक साथ विश्व कप होने से दुनियाभर के दर्शकों का उत्साह भी काफी बढ़ गया है।

प्लेऑफ में पहुंचकर भी खुश नहीं हैं रियान पराग, मुंबई को हराने के बाद दिया ऐसा बयान

एजेंसी मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का 69वां मुकाबला मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच आज यानी 24 मई को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया। इस मैच को राजस्थान रॉयल्स ने 30 रन से अपने नाम कर लिया और प्लेऑफ में अपनी जगह बना ली है। अब राजस्थान रॉयल्स एलिमिनेटर मैच में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करेगी। वहीं मुंबई इंडियंस को हराने के बाद और प्लेऑफ में जगह बनाने के बाद कप्तान रियान पराग ने बड़ा बयान दिया है। राजस्थान के कप्तान रियान पराग ने मैच के बाद कहा, 'निश्चित रूप से अच्छा लगता है जब चीजें प्लान के हिसाब से जाती हैं। मैं जानता हूं हमने मैच जीत लिया है और क्वालीफाई कर लिया है। लेकिन काफी एरिया हैं जहां हमें काम करना होगा। मैं चाहता था कि कोई एक बैटर लंबा

खेले, इनिशिएटिव और रिस्क ले। इस सीजन काफी ब्रेव कॉल लिए हैं। इस तरह मुझे लीड करना पसंद है।'

रियान पराग ने आगे कहा, 'मुझे लगता है हार्दिक को सिर्फ एक ही इंसान आउट कर सकता था, वो है जोफ्रा। यह मुश्किल है, लेकिन उन्हें पूरा क्रेडिट जाता है। हमको पहले ही क्वालीफाई कर जाना चाहिए था। हमको इसमें देरी हो गई। उम्मीद है कि हम अपने सभी मुकाबलों से कुछ सीखेंगे।' बता दें कि पराग ने अपने बयान के दौरान बृजेश शर्मा और यश राज पुंजा की भी सरहाना की।

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया था। ऐसे में राजस्थान रॉयल्स ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 205 रन बोर्ड पर लगाए थे। 206 रन के टारगेट का पीछा करते हुए मुंबई इंडियंस 20 ओवर में 9 विकेट पर 175 रन ही बना पाई।

व्यापार

अमेरिका, चीन, पाकिस्तान में 55% तक बढ़े पेट्रोल डीजल के दाम, पर भारत ने किया मैनेज

एजेंसी नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट और होर्मुज स्ट्रेट के आसपास की रुकावटों के बाद दुनिया के कई देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ी हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। लेकिन, भारत में यह बढ़ोतरी ऐसे कई देशों से बहुत कम है जहां ईंधन के दाम बेतहाशा बढ़ाए गए हैं। ग्लोबल क्रूड ऑयल (कच्चे तेल) की कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद भारत में कुल मिलाकर लगभग 5 फीसदी की ही बढ़ोतरी हुई। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (OMCs) ने हाल ही में पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाए। चरणबद्ध तरीके से किए गए संशोधनों के तहत 15, 19 और 23 मई को हुई कीमतों की समीक्षा के बाद ऐसा किया गया। पेट्रोल की कीमत में लगभग 4.74 रुपये प्रति लीटर और डीजल में करीब 4.82 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। इन तेल कंपनियों में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड शामिल हैं। यह बढ़ोतरी लगभग 76 दिनों के बाद हुई। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के बाजारों में उतार-चढ़ाव के बावजूद घरेलू ईंधन की कीमतों को काफी हद तक स्थिर रखा गया था। हालांकि, वैश्विक स्तर पर इसी अवधि के दौरान ईंधन की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हुई। इन देशों में बेतहाशा बढ़े पेट्रोल-डीजल के

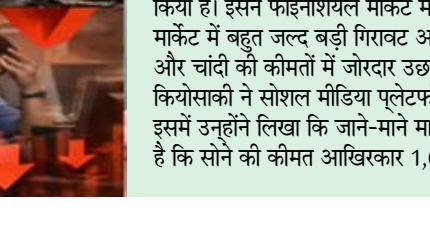

दाम म्यांमार में पेट्रोल की कीमतों में लगभग 90% और डीजल की कीमतों में 112% से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। मलेशिया में पेट्रोल की कीमतों में 56% से अधिक और डीजल की कीमतों में 71% से ज्यादा का इजाफा हुआ। पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमतों में लगभग 55% और डीजल की कीमतों में 45% की बढ़ोतरी हुई। अमेरिका में पेट्रोल की कीमतों में लगभग 44.5% और डीजल में 48.1% की बढ़ोतरी दर्ज की गई। ब्रिटेन में पेट्रोल की कीमतों में 19% से अधिक और डीजल की कीमतों में 34% से ज्यादा बढ़ोतरी हुई। फ्रांस में पेट्रोल की कीमतों में लगभग 21% और डीजल की कीमतों में 31% का इजाफा हुआ। पड़ोसी देशों में भी भारत की तुलना में कीमतों में अधिक बढ़ोतरी हुई। नेपाल में पेट्रोल की कीमतों में 38 फीसदी से अधिक बढ़ोतरी हुई। वहीं, डीजल की कीमतों के लिए यह लगभग 59 फीसदी रही। श्रीलंका में 38 फीसदी और 41 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी देखी गई। एशिया में चीन में पेट्रोल की कीमतों में 21 फीसदी से अधिक और डीजल की कीमतों में लगभग 24 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। वहीं, दक्षिण कोरिया में पेट्रोल की कीमतों में 19 फीसदी और डीजल की कीमतों में 26 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई। इसकी तुलना में इस दौरान भारत में पेट्रोल की कीमतें लगभग 5 फीसदी और डीजल की कीमतें लगभग 5.3 फीसदी बढ़ीं, जो प्रमुख ईंधन-आयात करने वाली अर्थव्यवस्थाओं में सबसे कम बढ़ोतरी में से एक है। भारत ने कच्चे तेल की लागत में हुई बढ़ोतरी के एक बड़े हिस्से को एक्साइज ड्यूटी में कटौती करके और उपभोक्ताओं पर इसका बोझ सीमित करके खुद वहन किया। केंद्र सरकार ने 2021 से अब तक पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कई बार कटौती की है। इसमें मार्च 2026 में होर्मुज में व्यवधान से पहले पेट्रोल और डीजल दोनों पर 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती भी शामिल है। इससे कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के उपभोक्ताओं पर पड़ने वाले असर को कम करने में मदद मिली। पश्चिम एशिया में तनाव और प्रमुख ग्लोबल शिपिंग मार्गों से सप्लाई में व्यवधान की चिंताओं के बीच अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया। इसके चलते दुनिया भर में ईंधन की लागत बढ़ गई।

भारत को अमेरिका दे रहा ऑफर पे ऑफर, ईरान ने नई दिल्ली से सुनाई अलग ही कहानी

एजेंसी नई दिल्ली

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो भारत दौरे पर हैं। उनके इस दौरे का मकसद भारत के साथ अमेरिका के बिगड़े रिश्तों को दोबारा पटरी पर लाना है। इस कवायद में अमेरिका भारत को ऑफर पर ऑफर दे रहा है। इनमें जल्द से जल्द ट्रेड डील फाइनल करने से लेकर एनर्जी (कच्चा तेल और गैस) की भरपूर सप्लाई तक शामिल है। वहीं, भारत में ईरानी दूतावास ने रविवार को रूबियो के एक दिन पहले दिए गए बयानों को कड़े शब्दों में खारिज कर दिया। दूतावास ने वाशिंगटन पर क्षेत्र की वास्तविकताओं को तोड़-मरोड़कर पेश करने के अलावा अमेरिका-इजरायल की नीतियों से ध्यान भटकाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। भारत में ईरानी दूतावास ने अपने ऑफिशियल हैंडल 'ईरान इन इंडिया' के जरिये बयान जारी किया। इसमें कहा, 'भारत में ईरान का दूतावास अमेरिका और जायोनी शासन की ओर से हाल ही में की गई टिप्पणियों को खारिज करता है।' दूतावास ने ईरान की ऊर्जा नीतियों का बचाव किया। ईरानी तेल निर्यात पर अमेरिकी प्रतिबंधों की आलोचना की। कहा, 'दुनिया के प्रमुख तेल और ऊर्जा निर्यातकों

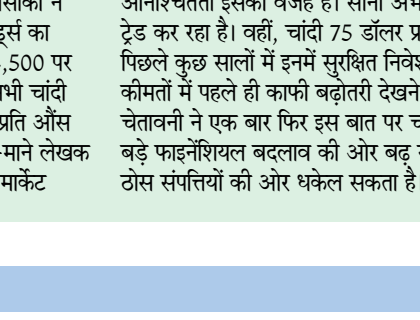

में से एक के रूप में ईरान हमेशा अपने ऊर्जा संसाधनों को भारत सहित सभी देशों के लिए उपलब्ध कराने को तैयार रहा है।' इसमें आगे कहा गया, 'हाल के सालों में ग्लोबल एनर्जी मार्केट को जिस चीज ने बंधक बनाकर रखा है, वह अमेरिका की ओर से ईरान के तेल निर्यात पर लगाए गए गैर-कानूनी और अन्यायपूर्ण प्रतिबंध हैं।'

अमेरिका पर लगाया आर्थिक दबाव डालने का आरोप बयान में वाशिंगटन पर तेहरान पर दशकों से आर्थिक दबाव डालने का भी आरोप लगाया गया। कहा- इन उपायों में दवाओं पर प्रतिबंध के अलावा ईरानी मरीजों की जरूरी दवाओं तक पहुंच पर रोक भी शामिल। इससे कई निर्दोष मरीजों की जान खतरे में पड़ गई है; बड़े पैमाने पर मानवीय पीड़ा हुई है। होर्मुज स्ट्रेट में तनाव का जिक्र करते हुए दूतावास ने आरोप लगाया कि अमेरिका-इजरायल की कार्रवाइयां इस क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को अस्थिर कर रही हैं।

बयान के अनुसार, 'होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री सुरक्षा और जहाजों की आवाजाही में जो चीज वर्तमान में बाधा डाल रही है और खतरा पैदा कर रही है, वह इस क्षेत्र में अमेरिका और जायोनी शासन की सैन्य, उकसाने वाली और दुस्साहसी कार्रवाइयां हैं।' ईरान के परमाणु कार्यक्रम के संबंध में दूतावास ने तेहरान के उस पुराने रुख को दोहराया कि उसकी गतिविधियां शांतिपूर्ण हैं। अंतरराष्ट्रीय निगरानी में हैं। बयान में कहा गया, 'परमाणु हथियारों के अप्रसार पर संधि (NPT) के एक प्रतिबद्ध सदस्य के रूप में उसने लगातार यह घोषणा की है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से शांतिपूर्ण है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) की निगरानी में है।' दूतावास ने आगे इस बात पर जोर दिया ईरान परमाणु विज्ञान और प्रौद्योगिकी के शांतिपूर्ण इस्तेमाल को अपने लोगों का वैध अधिकार मानता है।

रॉबर्ट कियोसाकी की चेतावनी- भरभराने वाले हैं शेयर बाजार, सोना-चांदी बनेंगे रॉकेट

एजेंसी नई दिल्ली

रिच डैड पुअर डैड के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी ने एक बार फिर बड़ा दावा किया है। इसने फाइनेंशियल मार्केट में जोरदार बहस छेड़ दी है। उन्होंने शेयर मार्केट में बहुत जल्द बड़ी गिरावट आने की नई चेतावनी दी है। साथ ही सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार उछाल आने का अनुमान लगाया है। रॉबर्ट कियोसाकी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने लिखा कि जाने-माने मार्केट स्ट्रेटेजिस्ट जिम रिकार्ड्स का मानना है कि सोने की कीमत आखिरकार 1,00,000 डॉलर प्रति औंस (लगभग 31 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम) तक पहुंच सकती है। इसी तरह कियोसाकी ने यह भी अनुमान लगाया कि भविष्य में चांदी की कीमतें 200 डॉलर प्रति औंस (करीब 7 लाख रुपये प्रति किलो) तक बढ़ सकती हैं। रॉबर्ट कियोसाकी ने अपनी पोस्ट में कहा, 'गिरावट जल्द ही आने वाली है। जिम रिकार्ड्स का कहना है कि सोना $100,000 तक पहुंच जाएगा। अभी सोना $4,500 पर है। मुझे लगता है कि चांदी $200 प्रति औंस तक पहुंच जाएगी। अभी चांदी $75 पर है।' अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी की कीमतें डॉलर प्रति औंस में ही बोली जाती हैं। 1 ट्रॉय औंस में 31.1035 ग्राम होते हैं। जाने-माने लेखक और निवेशक की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है जब ग्लोबल मार्केट पहले से ही जूझ रहे हैं। बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव, लगातार बनी हुई महंगाई की चिंता, बढ़ते सरकारी कर्ज और सेंट्रल बैंक की नीतियों को लेकर बनी अनिश्चितता इसकी वजह हैं। सोना अभी लगभग 4,500 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा है। वहीं, चांदी 75 डॉलर प्रति औंस के आस-पास बनी हुई है। पिछले कुछ सालों में इनमें सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ी है। मांग के चलते इन कीमतों में पहले ही काफी बढ़ोतरी देखने को मिली है। कियोसाकी की इस ताजा चेतावनी ने एक बार फिर इस बात पर चर्चा छेड़ दी है कि क्या दुनिया एक और बड़े फाइनेंशियल बदलाव की ओर बढ़ रही है, जो आखिरकार निवेशकों को ठोस संपत्तियों की ओर धकेल सकता है।

अधिक मास का गुरु प्रदोष व्रत 28 मई को, पूजा का शुभ मुहूर्त, धार्मिक महत्व समझें

गुरु प्रदोष व्रत भगवान शिव और माता पार्वती की कृपा प्राप्त करने के लिए बेहद शुभ माना जाता है। जब प्रदोष व्रत गुरुवार के दिन पड़ता है, तब इसे गुरु प्रदोष व्रत कहा जाता है और अधिक मास में आने वाला यह व्रत और भी विशेष फलदायी माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन श्रद्धा और विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा करने से जीवन के दुख, दरिद्रता और बाधाएं दूर होती हैं। साथ ही गुरु ग्रह से जुड़े दोषों में भी राहत मिलती है और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है। अधिक मास को भगवान विष्णु और शिव दोनों की उपासना के लिए पुण्यदायी समय माना गया है, इसलिए इस दौरान किया गया व्रत और दान कई गुना फल देता है। इस साल अधिक मास में गुरु प्रदोष व्रत 28 मई को मनाया जाएगा। वहीं इस दिन वरीयान योग भी बन रहा है। जिससे इस दिन का महत्व और भी बढ़ गया है।

आइए जानते हैं तिथि और पूजा का शुभ मुहूर्त

कल या परसों कब है गंगा दशहरा, जानिए सही तिथि, दान- स्नान का शुभ मुहूर्त, पूजा- विधि, मंत्र और आरती

गुरु प्रदोष व्रत 2026 तिथि (Guru Pradosh Vrat 2026)

ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि आरंभ- मई 28, 2026 को 07:57 ए एम बजे

ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि समाप्त – मई 29, 2026 को 09:51 ए एम बजे

आज का पंचांग 24 मई 2026: ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि, जानें रविवार का शुभ मुहूर्त और राहुकाल वृश्चिक राशि वालों के लिए कैसा रहेगा जून का महीना, जानें करियर- कारोबार, धन और सेहत का हाल

गुरु प्रदोष व्रत शुभ मुहूर्त

फ्यूचर पंचांग के अनुसार प्रदोष व्रत में भगवान शिव की पूजा प्रदोष काल में की जाती है। इस दिन प्रदोष काल प्रदोष 07:12 पी एम से 09:15 पी एम तक है। इस समय में पूजा- अर्चना कर सकते हैं।

गुरु प्रदोष व्रत का धार्मिक महत्व

धार्मिक महत्व की बात करें तो गुरु प्रदोष व्रत को विशेष रूप से संतान सुख, विवाह, करियर और आर्थिक उन्नति के लिए लाभकारी माना गया है। मान्यता है कि प्रदोष काल में भगवान शिव कैलाश पर्वत पर प्रसन्न मुद्रा में तांडव करते हैं और उस समय उनकी पूजा करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। अधिक मास में यह व्रत करने से पिछले कर्मों के दोष शांत होते हैं और व्यक्ति को मानसिक शांति तथा आध्यात्मिक ऊर्जा की प्राप्ति होती है।

अग्नि तत्व वालों को लगती है ज्यादा गर्मी, जानें अपना राशि तत्व और गर्मी से बचाव के आसान उपाय

मेडिकल ज्योतिष में राशियों द्वारा रोगों की पहचान के लिए राशियों के तत्व एवं प्रकृति जानना अतिआवश्यक है। तत्वों के आधार पर राशियों का वर्गीकरण किया गया है, राशियों में कफ, पित्त, वायु और मिश्रित प्रकृति होती है। मेष, सिंह, धनु, अग्नि तत्व राशियों की पित्त प्रकृति है, वृष, कन्या, मकर, पृथ्वी तत्व राशियों की वायु प्रकृति है, मिथुन, तुला, कुम्भ वायु तत्व राशियों की मिश्रित प्रकृति मानी गई है, कर्क, वृश्चिक, मीन, जल तत्व राशियों की कफ प्रकृति है।

राशि के तत्वों के साथ ग्रहों को भी ध्यान में रखकर उपाय फलीभूत होते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मेष राशि में सूर्य के प्रवेश करते ही शरीर को झुलसाने वाली तपन प्रारम्भ होने लगती है, वृष राशि का सूर्य आते-आते गरमी अपने पूरे चरम पर होती है, शरीर के जलीय तत्व सूखने लगते हैं। पंचतत्वों से बने शरीर पर गर्मी का प्रकोप बढ़ने लगता है।

किस तत्व से जुड़ी है आपकी राशि? चन्द्रमा जलतत्व का जबकि इसका पुत्र बुध त्वचा का कारक है, हरे तत्वों का प्रतीक है। त्वचा में चमक बनी रहे, गर्मी से त्वचा न झुलसे इसलिए बुध और चन्द्रमा को बलवान करना आवश्यक है, इससे व्यक्ति को सूर्य के ताप को सहन करने की शक्ति प्राप्त होती है। आकाशमण्डल में अन्य ग्रहों की अपेक्षा बुध, सूर्य से सबसे करीब है, इसलिए सूर्य के ताप, त्वचा संबंधी विकारों से बचने और जलतत्व के नियंत्रण के लिए बुध को सशक्त बनाना चाहिए।

बुध को बलवान बनाने के लिए खीरा खाऐं, गर्मी से निजाद पाने के लिए पेय पदार्थ एवं जलतत्व युक्त फलों का सेवन सबसे ज्यादा लाभकारी होता है। चन्द्रमा क्षीण न होने पाए इसके लिए भी जलीय तत्व वाले खाद्य पदार्थों का सेवन आवश्यक है। अतः यदि सूर्य की तपन से राहत पानी है तो चन्द्र और बुध को बलवान करना ही होगा। यदि पिता चन्द्र और पुत्र बुध दोनों बलवान रहेंगे, तो सूर्य शरीर को बाह्य और आन्तरिक रूप से कमजोर बनाने में असमर्थ रहेगा।

गर्मी से बचने के उपाय लू से बचने के लिए राशि के अनुसार पेय पदार्थ का सेवन करें, मंगल से संबंधित चीजों का दान करें, रक्त वर्ण की चीजें कपड़ा इत्यादि धारण करने से बचें, शीतल चन्द्र कारक श्वेत वस्त्र धारण करें, आटे की ब्रह्मा की मूर्ति बनाकर वस्त्रादि से पूजन करना चाहिए। धर्मशास्त्रों में सूर्योदय से पूर्व स्नान करना आयु, बल, बुद्धि में वृद्धिदायक बताया गया है, स्वास्थ्यवर्धक तत्व सूर्योदय से लेकर 2 घंटा 24 मिनट तक जल में विद्यमान रहते हैं, अतः इस समयावधि में स्नान करना सर्वोत्तम है।

सूर्य को नियमित जल से अर्घ्य देना चाहिए, फायदा ऐसा आप भी आदत बना लेंगे

हिंदू धर्म में सूर्य को जल देने का बहुत अधिक महत्व बताया गया है। अगर कोई जातक सूर्य की प्रतिकूल दशा का सामना कर रहा हो, तो रोजाना नियमित रूप से सूर्य को अर्घ्य देना फायदेमंद साबित हो सकता है। सूर्य की मजबूत स्थिति जातक को समाज में सम्मान दिलाती है, सरकारी कार्यों में सफलता के लिए भी सूर्य का मजबूत होना बेहद आवश्यक है। केवल ज्योतिषशास्त्र में ही नहीं बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी सूर्य की रोशनी को बेहद लाभप्रद माना गया है। यह स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है। आइए विस्तार से जानते हैं कि हमें रोजाना सूर्य को अर्घ्य क्यों देना चाहिए और इससे क्या-क्या लाभ मिलते हैं।

सूर्य को अर्घ्य क्यों देना चाहिए?

ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, नियमित सूर्यदेव की आराधना करने और उन्हें अर्घ्य देने से जीवन में सूर्य ग्रह की अनुकूलता बनी रहती है। साथ ही, जीवन में यश और आरोग्य और समृद्धि की प्राप्ति होती है। सूर्यदेव की कृपा से जातक के सम्मान और तरक्की में वृद्धि के संयोग बनने लगते हैं। इसलिए सूर्य को अर्घ्य देना बेहद शुभ फलदायी माना गया है।

सूर्य को जल देने की विधि सूर्य को अर्घ्य देना वैसे को बहुत लाभकारी होता है लेकिन, इससे पूर्व सही विधि का ध्यान जरूर रखना चाहिए। जाने-अनजाने में गलत तरीके से सूर्य को जल देने से आप इससे मिलने वाले पूर्ण फल से वंचित रह सकते हैं। ऐसे में सूर्य को अर्घ्य देते समय इस विधि का ध्यान जरूर रखें।

सुबह सूर्योदय से पहले उठकर स्नानादि कर लें और फिर एक तांबे के लोटे में जल भर लें।

सुबह के 5 बजे से लेकर 8 बजे के बीच का समय सूर्यदेव को जल चढ़ाने के लिए सबसे उत्तम माना जाता है।

जब सूर्य पूर्व दिशा में हों तो दोनों हाथों से लोटे को पकड़कर उसे अपने सिर के ऊपर तक ले जाएं।

सिर के ऊपर से सूर्य को अर्घ्य देना उचित माना जाता है। इस बात का ख्याल रखें की सूर्यदेव को जल देते समय पानी की एक धारा बननी चाहिए। यानी पानी की धारा बीच में टूटनी नहीं चाहिए।

सूर्य को अर्घ्य देते समय 'ओम घृणि सूर्याय नमः' मंत्र का जप करना अत्यंत शुभ माना जाता है। अगर संभव हो तो उसी स्थान पर खड़े होकर सूर्य देव के मंत्र का कम से कम 108 बार जप करना चाहिए। सूर्यदेव को जल देने लाभ

सूर्य को प्रसिद्धि का कारक माना गया है। साथ ही, यह स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा होता है क्योंकि, वैज्ञानिक दृष्टिकोण के अनुसार सुबह 5 बजे से 8 बजे तक की अवधि में सूर्य की रोशनी शरीर में विटामिन-डी बढ़ाने का काम करती है।

नियमित सूर्य को अर्घ्य देने से कई रोगों का नाश हो सकता है और जीवन में सुख-समृद्धि भी बढ़ती है।

अगर सूर्य के प्रतिकूल प्रभावों का सामना कर रहे हैं तो ऐसी स्थिति में रोजाना सूर्य को अर्घ्य जरूर दें। ऐसा करने से जीवन में सूर्य की अनुकूलता बनी रहती है।

विशेष रूप रविवार के दिन सूर्य को जल देना शुभ माना जाता है क्योंकि, यह दिन सूर्य देव को समर्पित है। ऐसे में रविवार को सूर्य को जल देने से जातक के कार्यों में आ रही बाधाएं कम हो सकती हैं।

सूर्य को आत्म-सम्मान, ऊर्जा, आत्मविश्वास, सरकारी कार्यों, पिता, मान-सम्मान, यश और प्रसिद्धि का कारक माना गया है। ऐसे में सूर्य को जल देने से जातक के सम्मान में वृद्धि होती है। साथ ही, यश और समृद्धि भी बढ़ती है।

सूर्य को जल देने से मनुष्य के आत्मविश्वास में वृद्धि होती है और साथ ही, सरकारी कार्यों में सफलता के योग बनते हैं। यह मानसिक शांति के लिए भी बहुत अच्छा होता है।

आज का राशिफलः ग्रहों का योग चमकाएगा मेष, कर्क और सिंह के सितारे, सफलता के खुलेंगे नए दरवाजे

मेष राशि सूर्यदेव और बुधदेव आपकी जमा पूंजी पर विशेष कृपा बनाए रखेंगे। पैसों के मामलों में आपकी स्थिति मजबूत रहने वाली है। पुराने निवेश से आपको अच्छा रिटर्न मिलने वाला है। हालांकि, चंद्रदेव आपके छठे भाव में हैं, इसलिए किसी को भी बड़ा कर्ज देने से बचें। आज अपने बजट के हिसाब से ही खर्च करें।

वृषभ राशि आज आपके लिए पैसों का नया रास्ता खुलने वाला है। गुरु और शुक्र आपकी राशि के धन भाव में बैठे हैं। आपको पैतृक संपत्ति से बड़ा लाभ मिल सकता है। आज आप अपने फ्यूचर के लिए कोई बड़ा और समझदारी भरा इन्वेस्टमेंट प्लान कर सकते हैं।

मिथुन राशि का आज पैसों के मामले में आपको थोड़ा सोच-समझकर चलना होगा। मंगल देव की कृपा से आपको अपने बिजनेस में अच्छा मुनाफा होगा। लेकिन बारहवें भाव के ग्रह आपके खर्चे बढ़ा सकते हैं। आज फालतू की चीजों पर पैसा बर्बाद न करें। लॉटरी या सट्टेबाजी से बिल्कुल दूर रहें।

कर्क राशि आज आर्थिक रूप से आपका दिन बहुत शानदार रहने वाला है। आपको एक से ज्यादा सोर्स से धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। पुराना अटका हुआ पैसा भी आज वापस मिल सकता है। बस ध्यान रखें कि पैसों के लेन-देन को लेकर परिवार में किसी से भी कड़वी बात न करें।

सिंह राशि आज का दिन आपकी आर्थिक स्थिति को बहुत मजबूत बनाने वाला है। दूसरे भाव के चंद्रदेव आपकी सेविंग्स को बढ़ाएगा। बिजनेस में पुराना फंसा हुआ प्रॉफिट आज आपको मिल सकता है। आज का दिन बजट बनाने के लिए बहुत अच्छा है, लेकिन शेयर मार्केट में जोखिम लेने से बचें।

कन्या राशि नवम भाव में सूर्यदेव और बुधदेव की मौजूदगी आपकी किस्मत के बंद ताले खोलेगी। आज आपको अचानक कहीं से बड़ा धन लाभ हो सकता है। किसी बड़ी यात्रा या मेंटर की सलाह से भी आपको फायदा होगा। हालांकि, आज किसी को भी पैसा उधार देने की गलती बिल्कुल न करें।

तुला राशि आज पैसों के मामले में आपको थोड़ी सावधानी बरतनी होगी। किसी भी तरह का बड़ा रिस्क लेने से आज बचें। बिना किसी एक्सपर्ट की सलाह के प्रॉपर्टी के कागजात पर साइन न करें। आज अपने गुप्त खर्चों पर लगाम लगाएं। आपको लॉन्ग टर्म सेविंग्स पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए।

वृश्चिक राशि आज का दिन आपके लिए बहुत शुभ संकेत लेकर आया है। ग्यारहवें भाव के चंद्रदेव आपको लगातार धन लाभ कराता रहेगा। आपको कमाई का कोई नया जरिया भी मिल सकता है। साथ ही पुराने निवेश से भी अच्छा फायदा होगा। बस आज अपनी लग्जरी चीजों पर जरूरत से ज्यादा पैसा बहाने से बचें। निवेश हमेशा सोच-समझकर करें और अपनी बचत को संभाल कर रखें।

धनु राशि आज का दिन आपके लिए स्थिर और मजबूत रहने वाला है। छठे भाव के सूर्यदेव और बुधदेव की वजह से पैसों से जुड़ा कोई पुराना कानूनी विवाद आज सुलझ जाएगा। आपकी रेगुलर इनकम अच्छी बनी रहेगी। हालांकि, पांचवें भाव के मंगल के कारण आज आपको सट्टा बाजार से दूर रहना चाहिए। किसी भी तरह के रिस्की ट्रेड में पैसा लगाने से बचें।

मकर राशि आज आपको पैसों के मामले में बहुत ही समझदारी से प्लानिंग करनी होगी। राहु के प्रभाव से आज अचानक महंगी चीजें खरीदने का मन कर सकता है। हालांकि, भाग्य भाव के चंद्रदेव आपकी पैसों के नुकसान से रक्षा करेंगे। आज किसी भी अनजान डील में पैसा लगाने से बचें। किसी को बड़ा कर्ज देने की गलती भी आज न करें।

कुंभ राशि आपकी राशि के स्वामी शनि देव धन भाव में बैठे हैं। वे आपको पैसों की बचत करने के लिए प्रेरित करेंगे। आज आठवें भाव के चंद्रदेव आपको सट्टेबाजी और गुप्त डील्स से दूर रहने की चेतावनी दे रहे हैं। आज पुराने बजट को सुधारने के लिए दिन बहुत अच्छा है। पारिवारिक संपत्ति को सहेजने के मामले में भी दिन आपके पक्ष में रहेगा।

मीन राशि आज का दिन आपके लिए तरक्की लेकर आने वाला है। बस आपको अपने पैसों को सही ढंग से मैनेज करना आना चाहिए। दूसरे भाव में मंगलदेव के होने से आपके अंदर ज्यादा पैसा कमाने का जूनून जागेगा। इसके लिए आप जमकर मेहनत भी करेंगे। हालांकि, बारहवें भाव के राहु आपसे अचानक किसी यात्रा या सुख-सुविधा पर बड़ा खर्चा कराने वाले हैं। इसलिए बेहतर यही होगा कि आप अपनी सेविंग्स को संभालकर रखें।

नौतपा में पिता के चरण छूने से सूर्य देव देंगे वरदान, बदल जाएगी किस्मत!

नौतपा की शुरुआत कल यानी 25 से हो रही है और इसका समापन 2 जून को होगा। हिंदू धर्म में नौतपा का विशेष महत्व माना जाता है। नौतपा के दौरान सूर्य की तपिश चरम पर होती है। धार्मिक दृष्टि, पारिवारिक संस्कृति और साइंस के नजरिए से भी नौतपा का विशेष महत्व माना जाता है। इन दिनों में भयंकर गर्मी देखने को मिलती है और तापमान भी 45 डिग्री से लेकर 55 डिग्री तक तापमाम पहुंच जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, नौतपा के दिनों में जप, तप, दान और सेवा का विशेष फल प्राप्त होता है। इस दौरान माता-पिता का सेवा करना भी सबसे बड़ा पुण्य माना जाता है। आइए आपको बताते हैं नौतपा में पिता के पैर छूने से किस्मत कैसे पलट सकती है। ज्योतिष शास्त्र में भी इन 9 दिनों को काफी प्रभावशाली माना गया है। कल यानी 25 मई से नौतपा की शुरुआत हो रही है। अगले 9 दिनों तक भयंकर गर्मी देखने को मिलेगी। धार्मिक मान्यता के अनुसार, जब सूर्य देव रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं, तब से नौतपा की शुरुआत

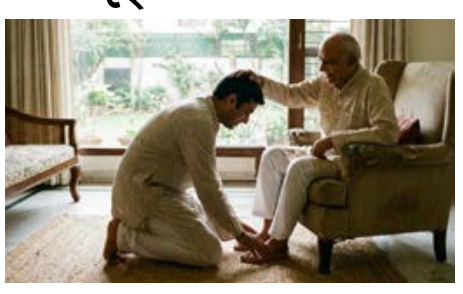

होती है। रोहिणी नक्षत्र का स्वामी चंद्रमा है। इस दौरान सूर्य चंद्रमा के निकट आ जाता है जिससे चंद्रमा की शीलता भी कम हो जाती है। इसी कारण से पृथ्वी पर कड़ी गर्मी, तेज धूप और लू देखने को मिलती है। इस दौरान तापमान भी चरम पर पहुंच जाता है। धार्मिक दृष्टि से नौतपा का विशेष महत्व है। इस दौरान चंद्रमा और सूर्य देव की पूजा करना काफी शुभ माना जाता है। जिन जातकों के कुंडली में सूर्य कमजोर होता है, इस दौरान मंत्र जप, दान-पुण्य के कार्य और विधिवत रुप से सूर्य देव की पूजा करने से व्यक्ति को कई शुभ फल प्राप्त होते हैं। ज्योतिष शास्त्र में सूर्य देव को पिता के समान माना गया है। इसलिए पिता की सेवा करना और सम्मान करने से सूर्य देव अधिक प्रसन्न होते हैं। सुबह-सुबह जल्दी उठकर पिता के चरण स्पर्श करना या आशीर्वाद प्राप्त करने से व्यक्ति का आत्मविश्वास, मान-सम्मान और सफलता प्राप्त होती है। इसके साथ ही करियर में चल रही बाधाएं दूर होती है व आपकी सभी मानोकामनाएं पूर्ण होती है।

70 करोड़ की मशीन चट्टानों में दबी,सवालों के मलबे में दबा प्रबंधन का सच

तवा वन खदान में रूफ फॉल ने उघाड़ी सुरक्षा व्यवस्थाओं की परतें, मजदूरों की चीखों पर खामोश श्रमिक संगठन, उत्पादन पर मंडराया संकट का साया

प्रमोद गुप्ता । सारनी

पाथाखेड़ा क्षेत्र की भूमिगत कोयला खदानें इन दिनों सिर्फ कोयला ही नहीं उगल रहीं,बल्कि लापरवाही, तकनीकी अव्यवस्था और प्रबंधन की चुप्पी की भयावह कहानियां भी बाहर ला रही हैं।वेस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड पाथाखेड़ा की तवा वन खदान में 15 मई की सुबह जो कुछ हुआ,उसने भूमिगत खदानों की सुरक्षा प्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं।तवा वन खदान के डब्ल्यू-7 डीप पैनल,56 लेवल,35 डीप में करीब 70 करोड़ रुपए की लागत से चीन से लाई गई कंटीन्यूस माइनर मशीन अचानक हुए रूफ फॉल यानी छत धंसने की घटना में चट्टानों के बीच दब गई।बताया जा रहा है कि मशीन को सतह तक लाने में स्थानीय प्रबंधन को पूरे 10 दिनों तक संघर्ष करना पड़ा। इस दौरान उत्पादन ठप होने की स्थिति बन गई और प्रतिदिन 1000 से 1200 टन कोयला उत्पादन घटकर मात्र 360 टन तक सिमट गया।सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस क्षेत्र की चट्टानों की संरचना कमजोर बताई जा रही थी,वहां आखिर इतनी महंगी और अत्याधुनिक मशीन का संचालन क्यों किया जा रहा था।क्या भूगर्भीय सर्वेक्षण की अनदेखी की गई,क्या सुरक्षा मानकों को ताक पर रखकर उत्पादन बढ़ाने की होड़ में मजदूरों की जिंदगी दांव पर लगा दी गई जा रही,भूमिगत खदानों में कंटीन्यूस माइनर मशीन का संचालन भारतीय खान सुरक्षा महानिदेशालय (DGMS) के कड़े नियमों के तहत किया जाता है।नियमों के अनुसार किसी भी डीप पैनल में मशीन संचालन से पहले भू-संरचना की जांच, रूफ बोल्टिंग,वेंटिलेशन,गैस मॉनिटरिंग और जलभराव की संभावनाओं का विस्तृत परीक्षण अनिवार्य होता है। इसके अलावा जहां चट्टानों की मजबूती संदिग्ध हो,वहां मशीन संचालन प्रतिबंधित या सीमित किया जाता है। लेकिन तवा वन खदान की घटना ने यह संकेत दे दिया है कि कागजों में दर्ज सुरक्षा नियम शायद धरातल पर दम तोड़ रहे हैं।आश्चर्यजनक तथ्य यह भी है कि इसी खदान में पूर्व में कंटीन्यूस माइनर मशीन पानी में डूब जाने के कारण लगभग चार महीने तक उत्पादन प्रभावित रहा था।अब एक बार फिर वही भयावह तस्वीर सामने खड़ी दिखाई दे रही है।सूत्रों के अनुसार आगामी बारिश शुरू होते ही डब्ल्यू-7 सीएम पैनल में जलभराव की आशंका बढ़ जाएगी,जिससे खदान के पुनःबंद होने का खतरा मंडरा रहा है।घटना के बाद सबसे ज्यादा चर्चा इस बात को लेकर है कि आखिर उस समय मशीन के आसपास कार्यरत कितने मजदूर घायल हुए क्या किसी कर्मचारी की जान गई यदि लोग घायल हुए तो उनका उपचार कहां कराया गया, इन सवालों पर स्थानीय प्रबंधन मौन साधे बैठा है। श्रमिक हितों की लड़ाई का दावा करने वाले संगठन भी रहस्यमयी चुप्पी ओढ़े हुए हैं।कभी पाथाखेड़ा क्षेत्र में 13 भूमिगत खदानें हुआ करती थीं,लेकिन अब हालात यह हैं कि खदानें सिमटकर तीन तक पहुंच गई हैं। तवा परियोजना और छतरपुर-1 जैसी शेष खदानों पर ही उत्पादन का भार टिका हुआ है।ऐसे में करोड़ों की मशीनरी का बार-बार दुर्घटनाओं का शिकार होना न केवल आर्थिक नुकसान है,बल्कि यह भूमिगत खदानों में कार्यरत मजदूरों की सुरक्षा पर मंडराता भयावह खतरा भी है।यह हादसा सिर्फ मशीन के चट्टानों में दबने की घटना नहीं,बल्कि उन सवालों का मलबा है जिसमें पारदर्शिता,सुरक्षा और जवाबदेही तीनों कहीं दबते नजर आ रहे हैं।अब देखना यह होगा कि प्रबंधन इस पूरे घटनाक्रम पर सार्वजनिक रूप से सच्चाई सामने लाता है या फिर यह मामला भी कोयले की काली सुरंगों में हमेशा के लिए दफन कर दिया जाएगा।

तपती रातों में तड़पते गांव अघोषित बिजली कटौती ने ग्रामीणों का जीना किया दूभर

44 डिग्री की आग उगलती दोपहर और 39 डिग्री की झुलसाती रातों में घंटों गुल रहती बिजली, ग्रामीणों में आक्रोश जनप्रतिनिधियों और किसान संगठनों की चुप्पी पर उठे सवाल

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

भीषण गर्मी के इस दौर में ग्रामीण अंचलों की बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।दिन का तापमान 44 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान 39 डिग्री के आसपास पहुंचने से लोगों का जीवन पहले ही बेहाल है,ऊपर से अघोषित बिजली कटौती ने ग्रामीणों की परेशानियों को कई गुना बढ़ा दिया है।पिछले एक सप्ताह से ग्राम पंचायत सलैया,सुखाढाना, मडकाढान,कोलगांव, जाजलपुर सहित आसपास के एक दर्जन से अधिक गांवों में लगातार अघोषित बिजली कटौती की जा रही है।स्थिति यह है कि दिनभर उमस और तपिश झेलने के बाद ग्रामीणों को रात में भी चैन की नींद नसीब नहीं हो रही।आधी रात के बाद 12 बजे से सुबह 6:30 बजे तक कई बार दो-दो और तीन-तीन घंटे बिजली बंद रहने से बच्चे,बुजुर्ग और महिलाएं सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं।ग्रामीणों का कहना है कि बिजली विभाग द्वारा लगातार ग्रामीण फीडरों में मेंटेनेंस और रखरखाव कार्य किए जाने का दावा किया जाता है, लेकिन इसके बाद व्यवस्था में कोई सुधार दिखाई नहीं दे रहा। सवाल यह उठ रहा है कि यदि लगातार सुधार कार्य हो रहे हैं तो फिर हर रात बिजली व्यवस्था क्यों ध्वस्त हो जाती है।घोड़ाडोंगरी फीडर क्षेत्र के लोगों का कहना है कि पहले रतनपुर बिजली स्टेशन शुरू न होने को समस्या की वजह बताया जाता था,लेकिन अब बिजली घर चालू होने के बाद भी हालात जस के तस बने हुए हैं।इससे विभागीय दावों की वास्तविकता पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं।गांवों में हालात इतने खराब हैं कि बिजली गुल होते ही घर भट्ठी जैसे तपने लगते हैं।पंखे और कूलर बंद होते ही लोग घरों के बाहर सड़कों और आंगनों में रात गुजारने को मजबूर हो रहे हैं।मच्छरों का प्रकोप अलग से लोगों की मुश्किलें बढ़ा रहा है।कई ग्रामीणों ने बताया कि लगातार बिजली कटौती के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, वहीं बुजुर्ग और बीमार लोगों की हालत भी बिगड़ रही है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों की इस गंभीर समस्या पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों की चुप्पी आखिर क्यों बनी हुई है। आम लोगों का आरोप है कि जनप्रतिनिधि और क्षेत्रीय नेता बिजली विभाग के खिलाफ खुलकर बोलने से बच रहे हैं।दूसरी ओर किसानों की समस्याओं को लेकर आंदोलन करने वाले किसान संगठन भी इस अघोषित बिजली कटौती पर मौन साधे हुए हैं,जिससे उनकी कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में आंदोलन की स्थिति बन सकती है।लोगों की मांग है कि भीषण गर्मी को देखते हुए रात के समय बिजली कटौती पर तत्काल रोक लगाई जाए और ग्रामीण क्षेत्रों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि गांवों के लोग राहत की सांस ले सकें।

गंगा दशमी पर जल संरक्षण का महाअभियान, उज्जैन के शिप्रा घाट से लेकर सतपुड़ा की तवा और स्थानीय नदियों तक गूंजेगा जल संवर्धन का संदेश

सारनी में गंगा आरती, तवा मैया को चुनरी अर्पण और दीपदान के साथ होगा जनजागरण कार्यक्रम, बच्चों की चित्र प्रदर्शनी भी बनेगी आकर्षण का केंद्र

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

नगर पालिका परिषद सारनी द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल स्रोतों की स्वच्छता और संरक्षण को लेकर लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गंगा दशमी के पावन अवसर पर सोमवार 25 मई को सारनी में भव्य गंगा आरती,तवा मैया को चुनरी अर्पण,दीपदान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं रहेगा,बल्कि जल संरक्षण और स्थानीय नदी-तालाबों को बचाने का व्यापक जनसंदेश भी देगा।मुख्य नगर पालिका अधिकारी सी.के.मेश्राम ने बताया कि राज्य शासन द्वारा विक्रमोत्सव 2026 के अंतर्गत 19 मार्च से पूरे मध्यप्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। गंगा दशमी के अवसर पर प्रदेशभर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे,जिनका मुख्य आयोजन उज्जैन के पवित्र शिप्रा घाट पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में संपन्न होगा।उन्होंने बताया कि सारनी नगर में भी छठ पूजा घाट पर सोमवार शाम 6 बजे से रात्रि 8 बजे तक विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों की सहभागिता रहेगी। गंगा आरती,तवा मैया पूजन,चुनरी अर्पण और दीपदान के माध्यम से जल के प्रति श्रद्धा और संरक्षण का संदेश दिया जाएगा। खबर के माध्यम से स्थानीय जल स्रोतों के महत्व को भी रेखांकित किया जा रहा है। सतपुड़ा अंचल की तवा नदी, छोटे-बड़े नाले,तालाब और जलाशय केवल जल का स्रोत नहीं बल्कि क्षेत्र की जीवनरेखा हैं।बढ़ते प्रदूषण और जल संकट को देखते हुए इन प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण की आवश्यकता पहले से अधिक महसूस की जा रही है।अभियान के तहत नागरिकों को नदियों और जलाशयों की स्वच्छता बनाए रखने,जल बर्बादी रोकने और वर्षा जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया जाएगा।कार्यक्रम में बच्चों द्वारा जल संरक्षण विषय पर तैयार चित्रों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जो लोगों को पर्यावरण और जल बचाने के प्रति जागरूक करेगी।मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर जल संरक्षण के इस जनअभियान का हिस्सा बनने की अपील की है।

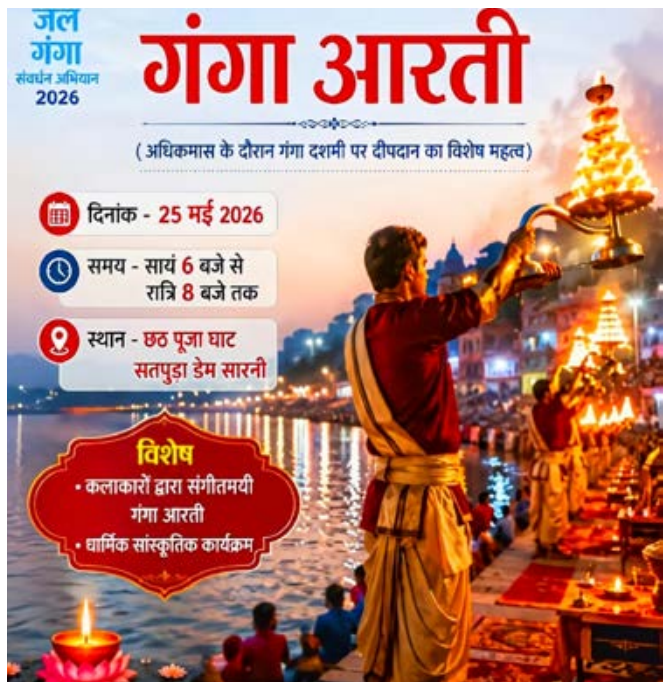

अब बैतूल में ब्लॉक स्तरीय जनसुनवाई होगी

मुलताई से करेंगे शुरू, कलेक्टर बोले- गांव के लोगों को नहीं होना पड़ेगा परेशान

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

आम लोगों को जिला मुख्यालय तक आने में होने वाली परेशानी को देखते हुए अब बैतूल जिले में ब्लॉक स्तर पर भी जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। इस पहल की शुरुआत मुल्ताई से होगी। कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवने ने बताया कि अगली जनसुनवाई मुल्ताई में आयोजित की जाएगी, जिसमें वे स्वयं उपस्थित रहेंगे। अन्य स्थानों के अधिकारी ऑनलाइन माध्यम से जुड़ेंगे। वहीं, जिला मुख्यालय बैतूल में होने वाली मंगलवार की जनसुनवाई में अपर कलेक्टर (एडीएम) उपस्थित रहेंगी। कलेक्टर डॉ. सोनवने ने स्पष्ट किया कि मुलताई तहसील क्षेत्र काफी बड़ा है। यहां प्रभात पट्टन सहित महाराष्ट्र सीमा से लगे गांवों के लोगों को शिकायत लेकर जिला मुख्यालय तक पहुंचने में समय और धन दोनों खर्च करना पड़ता है। इसके अतिरिक्त, क्षेत्र का राजस्व दायरा अधिक होने के कारण यहां राजस्व संबंधी शिकायतें भी अधिक सामने आ रही हैं। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए अधिकारियों को मुल्ताई में जनसुनवाई आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिले में जनसुनवाई को लेकर लोगों की बढ़ती भागीदारी भी प्रशासन के सामने एक बड़ा कारण बनकर उभरी है। पूर्ववर्ती कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी के कार्यकाल में जिला मुख्यालय पर औसतन सौ आवेदन पहुंचते थे, लेकिन डॉ. सौरभ संजय सोनवने के प्रभार संभालने के बाद जनसुनवाई में लोगों की संख्या लगातार बढ़ी है। अब प्रत्येक जनसुनवाई में सैकड़ों लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंच रहे हैं। कलेक्टर ने बताया कि अब हर माह कम से कम एक जनसुनवाई किसी न किसी ब्लॉक मुख्यालय पर आयोजित की जाएगी। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को स्थानीय स्तर पर ही समस्याओं के निराकरण का अवसर प्रदान करना है।

स्वागत द्वार या सियासी इश्तिहार: सारनी में रातों-रात बदल गया विकास का चेहरा

जिसे जनता ने मेहराब समझा,वो हुक्मरानों की शाइनिंग निकली, 15 लाख की तामीर पर उठे सवाल और अफ़सरशाही ने ओढ़ ली ख़ामोशी की चादर

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

सारनी नगर पालिका इन दिनों किसी फ़िल्मी पटकथा से कम नहीं लग रही।कल तक जिन्हें स्वागत द्वार कहकर जनता की आँखों में विकास का सुरमा लगाया जा रहा था,वही ढाँचे अब रातों-रात शाइनिंग बोर्ड बनकर प्रशासनिक कारनामों की नुमाइश करते नज़र आ रहे हैं।अम्मा की गौशाला और मोरडोगरी के पास खड़े ये दोनों विशालकाय ढाँचे अब शहर में इमारत कम, इबारत ज़्यादा बन चुके हैं।

सवाल यह नहीं कि बोर्ड लगा या द्वार बना सवाल यह है कि आखिर जनता के खजाने से निकले लाखों रुपयों की ताबीर इतनी जल्दी कैसे बदल गई।जिसे एस्टीमेट और वर्क ऑर्डर में स्वागत द्वार लिखा गया,उसे अब अधिकारी बड़ी मासूमियत से शाइनिंग बोर्ड बताने लगे हैं। मानो अल्फ़ाज़ बदल देने से हक़ीक़त भी बदल जाएगी।

व्यापारी अपनी दुकान चमकाने के लिए शाइनिंग बोर्ड लगाते हैं,मगर यहाँ तो पूरी नगरपालिका ही अपनी सियासी दुकान चमकाने में जुटी दिखाई दे रही है।जनता पूछ रही है कि क्या अब स्वागत भी ठेकेदारी की ट्यूबलाइट से होगा।विडंबना देखिएजब नगरीय प्रशासन आयुक्त संजय दुबे ने पूरे मध्यप्रदेश में स्वागत द्वारों को बेफ़िज़ूल ख़र्ची मानते हुए इनके निर्माण पर रोक लगा दी थी,उसी दौर में सारनी में रातों-रात ये मेहराबें खड़ी हो गईं।ऐसा लगता है मानो आदेश भोपाल से निकला था,लेकिन सारनी पहुँचते-पहुँचते उसकी रूह रास्ते में ही दम तोड़ बैठी।शहर के गलियारों में यह चर्चा भी बड़ी सरगोशी से तैर रही है कि यहाँ इंजीनियरों का तबादला होता कम है और वापसी का इंतज़ाम ज़्यादा होता है।

सूत्र बताते हैं कि कई इंजीनियर 2-3 बार स्थानांतरित होने के बाद भी भारी भरकम नज़राना पेश कर फिर सारनी नगर पालिका की चौखट चूम लेते हैं।कहने वाले तो यहाँ तक कहते हैं कि बिजली और सिविल विभाग के कुछ साहबान ठेकेदारों के साथ ऐसी रफ़ाक़त निभा रहे हैं कि रिश्ता अब सरकारी कम और साझेदारी ज़्यादा लगने लगा है।भ्रष्टाचार की यह रवानी अब नसों में इस तरह दौड़ रही है जैसे गर्मी में तवा नदी सूख जाए,मगर कमीशन की धारा कभी न सूखे।जनता हैरान है कि आखिर सारनी में ऐसा कौन-सा रहस्यमयी आकर्षण है,जो अफसरों को तबादले के बाद भी वापस यहीं खींच लाता है।क्या यह सेवा का समर्पण है या फिर मलाईदार मंसूबों का मोह।

नगरपालिका की यह कहानी अब विकास कम और व्यंग्य ज़्यादा लगने लगी है।जहाँ जनता पानी,सड़क और बिजली के लिए दर-दर ठोकरें खा रही है,वहीं सत्ता के दरबार में स्वागत द्वारों की ऊँचाई नापी जा रही है।

ऐसे हालात पर मशहूर शायर जावेद अख्तर की ये पंक्तियाँ बिल्कुल सटीक बैठती हैं।

न जाने क्यों ये सियासत का रंग बदलता है,
यहाँ हर शख्स अपनी ज़रूरत के साथ चलता है।

और सारनी की जनता अब शायद अपने अंदाज़ में बस इतना कह रही है।हुज़ूर,शहर को स्वागत नहीं जवाब चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित।
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949